हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, मंगलवार, 24 जून 2025 | अंक 250/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

भव्य सेल
कलकत्ता कॉटन ▸ फैन्सी कॉटन ▸ गढ़वाल ▸ सुपर नेट ▸ कोसा ▸ टसर ▸ ऑर्गेंजा ▸ फैन्सी वर्क ▸ नेट वर्क ▸ बांधणी ▸ पैठणी ▸ कांजिवरम ▸ सिल्क वर्क ▸ क्रेप सिल्क ▸ बनारसी ▸ डोला सिल्क ▸ पोजीशन प्रिन्ट ▸ सॉफ्ट सिल्क ▸ लाछा ▸ लहेंगा ▸ वन /टु पिस
वैशाली
सराफा बाजार, इतवारी, नागपुर. 9529081789, 9325112561 | समय : 10.00 से 7.30 रविवार बंद
Gift sarees from ₹ 500/-

इजरायली लड़ाकू विमानों का तेहरान पर अटैक

अमेरिका ने खुद ईरान को दिया था यूरेनियम और न्यूक्लियर रिएक्टर

तेहरान.

इजरायली सेना ने सोमवार को दावा किया कि उसके 50 से अधिक लड़ाकू विमानों ने सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर तेहरान में ईरान के आंतरिक सुरक्षा बलों और ईरानी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से संबंधित प्रमुख कमांड सेंटरों और संपत्तियों पर हवाई हमले किए. आईडीएफ ने बताया कि ये ताजा हवाई हमले ईरानी शासन की सैन्य क्षमताओं को नुकसान पहुंचाने के लिए तेहरान क्षेत्र में ईरान के सैन्य मुख्यालय, मिसाइल और रडार प्रोडक्शन साइट और मिसाइल स्टोरेज को निशाना बनाकर किए गए.

आईडीएफ ने कहा कि उसने ईरानी शासन के कई सैन्य मुख्यालयों पर हमला किया है, जिसमें 'थरल्लाह' मुख्यालय भी शामिल है, जो रिवोल्यूशनरी गार्ड्स का जनरल हेडक्वार्टर है, जिसे तेहरान को आंतरिक खतरों सहित अन्य सुरक्षा खतरों से बचाने के लिए बनाया गया है. इसके अलावा, इजरायली लड़ाकू विमानों ने 'सैयद अल-शहादा' ब्रिगेड पर भी बमबारी की, जो रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के अधीन आता है और ईरान की आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालता है. आईडीएफ ने कहा कि उसने ईरानी शासन की सैन्य क्षमताओं पर अपने हमले तेज कर दिए हैं और इजरायल की सुरक्षा बनाए रखने के लिए कार्रवाई जारी रखेगा. हमले के तहत आईआरजीसी के केंद्रीय सशस्त्र ठिकानों में से एक, 'बसीज हेडक्वार्टर' को निशाना बनाया गया. अपने अन्य कार्यों के साथ-साथ, यह मुख्यालय इस्लामी कानून को लागू करने और इनका उल्लंघन करने वाले नागरिकों की रिपोर्ट अधिकारियों को देने के लिए जाना जाता है. इजरायली एयर स्ट्राइक में अल्बोरज कोर को भी नुकसान पहुंचा, जो तेहरान के आसपास के शहरों को विभिन्न खतरों से बचाने तथा शासन की स्थिरता बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है. इजरायली लड़ाकू विमानों ने ईरान के आंतरिक सुरक्षा बलों के अंतर्गत आने वाले इंटेलिजेंस और जनरल सिक्योरिटी पुलिस को भी निशाना बनाया, जो ईरानी शासन के सैन्य बलों का ही हिस्सा हैं. इन लक्ष्यों पर हमला करने से ईरानी शासन की सैन्य क्षमताओं और नियंत्रण स्थापित करने की उसकी क्षमता को नुकसान पहुंचा है, क्योंकि इन कमांड सेंटरों का महत्वपूर्ण सैन्य प्रभाव होता है. आईडीएफ ने यह भी दावा किया कि उसकी एयरफोर्स ने पश्चिमी, मध्य और पूर्वी ईरान में छह हवाई अड्डों पर हमला किया, जिससे रनवे, अंडरग्राउंड हैंगर, ईंधन भरने वाले विमान, एफ-14, एफ-5 और एएच-1 विमान नष्ट हो गए.

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा था कि ईरान के खिलाफ इजरायल अपने सैन्य अभियान को और तेज करेगा. उन्होंने कहा था, 'ईरान और गाजा दोनों में इजरायल पूरी ताकत से काम करना जारी रखेगा.' नेतन्याहू ने कहा, 'हम अपने लक्ष्य हासिल करने से पहले इस ऐतिहासिक अभियान को नहीं रोकेंगे.' कई रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमले के एक दिन बाद, ईरानी संसद ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऑयल इम्पोर्ट ट्रांजिट चोकपॉइंट्स में से एक, होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने के समर्थन में मतदान किया. हालांकि, इस स्ट्रेट को बंद करने का कोई भी अंतिम निर्णय ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद पर निर्भर करता है.

ये बात साल 1953 की है. मोहम्मद मोसद्दिक का तख्तापलट कर जनरल फजलोलाह जहीदी को ईरान की कमान दे दी और तय किया कि ईरान में अब राजशाही होगी और ईरान के राजा शाह रजा पहलवी बनेंगे. वहीं दूसरी तरफ, मोहम्मद मोसद्दिक को तीन साल की सजा दी गई और बाद में उन्हें ताउम्र के लिए उनके घर में ही कैद कर दिया गया. ईरान में फिर से राजशाही आ गई थी और अमेरिका के समर्थक शाह रजा पहलवी ईरान के नए राजा थे. राजा ने अमेरिका के सामने मंशा जाहिर की कि ईरान के पास भी परमाणु हथियार होने चाहिए. हालांकि, पहलवी ने तब कहा कि परमाणु हथियार का मकसद शांति के लिए है, जंग के लिए नहीं. अमेरिकी राष्ट्रपति ड्वाइट डी आइजनहोवर भी पहलवी की बात से सहमत हो गए. एक समझौता हुआ एटम फॉर पीस.

इस समझौते के करीब 14 साल बाद अमेरिका ने साल 1967 में ईरान को परमाणु हथियार बनाने के लिए एक न्यूक्लियर रिएक्टर दिया. इसके अलावा, अमेरिका ने ही ईरान को यूरेनियम भी दिया. ईरान ने इसपर काम शुरू किया. यूरेनियम का संवर्धन शुरू किया. लेकिन, मेडिकल इक्विपमेंट से आगे ईरान का ये काम बढ़ ही नहीं पाया. क्योंकि जिस दोस्त अमेरिका ने ईरान को ये सब दिया था, 1979 में शाह रजा पहलवी के तख्तापलट के साथ ही वही अमेरिका ईरान का दुश्मन हो गया.

ईरान में अयातुल्लाह अली खामेनेई की शासन के साथ ही ईरान एक इस्लामिक देश बन गया, वहां शरिया लागू हो गया और फिर 1980 आते-आते अमेरिका ने न सिर्फ ईरान से सारे रिश्ते खत्म किए बल्कि सद्दाम हुसैन के नेतृत्व में इराक ने जब ईरान पर हमला किया तो अमेरिका खुलकर इराक के साथ आ गया. वहां से ईरान-अमेरिका की जो दुश्मनी शुरू हुई, वो आजतक कायम है और इस मोड़ पर है कि जो अमेरिका रिएक्टर और यूरेनियम देकर ईरान को परमाणु संपन्न बनाना चाहता था, उसी अमेरिका ने ईरान के परमाणु संयंत्रों पर हमला करके उसे तबाह कर दिया. ईरान के नए कानून की वजह से ब्रिटेन का प्रभुत्व ईरान के तेल पर खत्म होने लगा. तब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली और फिर विंस्टन चर्चिल ने ईरान पर तमाम आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए और पूरी दुनिया को ईरान के खिलाफ गोलबंद करने की कोशिश की. इसमें जब कामयाबी नहीं मिली तो ब्रिटेन के प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने अमेरिकी राष्ट्रपति ड्वाइट डी आइजनहोवर से हाथ मिला लिया.

अमेरिका और ब्रिटेन ने ईरान में चलाया ऑपरेशन, किया तख्तापलट, तब अमेरिका और ब्रिटेन दुनिया के सबसे ताकतवर देश थे. दूसरा विश्वयुद्ध जीतने वाले देश थे. तो उन्होंने अपनी ताकत का इस्तेमाल किया. इसके बाद अमेरिका ने ईरान में ऑपरेशन अजाक्स चलाया और ब्रिटेन ने ईरान के खिलाफ ऑपरेशन बूट लॉन्च किया. इन दोनों महाशक्तियों के ऑपरेशन को ईरान के सैनिकों का भी साथ मिल गया. नतीजा ये हुआ कि ईरान में तबाही मच गई और 19 अगस्त को चुने हुए ईरानी प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसद्दिक का तख्ता पलट हो गया.

रिवोल्यूशनरी गार्ड और सैन्य मुख्यालय पर हमला

इजरायली सेना ने सोमवार को दावा किया कि उसकी वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने ईरान की राजधानी तेहरान में स्थित आंतरिक सुरक्षा बलों और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कमांड सेंटर्स और ठिकानों को निशाना बनाकर हमला किया है. आईडीएफ ने कहा है कि यह हमला खुफिया जानकारी के आधार पर किया गया था.

ईरान के फोर्दो परमाणु केंद्र पर फिर हमला- ईरानी मीडिया

सोमवार ईरान के फोर्दो स्थित ईरान के अंडर ग्राउंड यूरेनियम संवर्धन स्थल पर फिर से हमला किया. ईरान के सरकारी टेलीविजन झरना ने बताया कि फोर्दो स्थित परमाणु केंद्र पर रविवार को हुए हमले में भी प्रभावित हुआ था और सोमवार को इस पर फिर से हमला किया गया. इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है कि हमला किसने किया और कितना नुकसान हुआ, हालांकि इजराइल ने पहले कहा था कि वह ईरान पर हवाई हमले कर रहा है. कुछ चश्मदीदों ने बताया कि सोमवार दोपहर में ईरान की राजधानी तेहरान के आसपास के इलाकों में इजराइली हवाई हमले हुए.

अमेरिका को ईरान की चेतावनी

इजरायल के साथ जंग के बीच ईरान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है. ईरान ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरानी परमाणु स्थलों पर बड़े पैमाने हमला किया है, इससे ईरान की सेना को भी अमेरिकी ठिकानों पर हमला करने की खुली छूट मिल गई है. ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया कि फोर्दो स्थित परमाणु केंद्र पर रविवार को अमेरिका ने हमला किया था इसके बाद सोमवार को फिर फिर से इस पर हमला किया गया.

यमुनोत्री पैदल मार्ग पर भूस्खलन

> 2-3 यात्रियों के दबने की आशंका!

देहरादून.

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में यमुनोत्री धाम की यात्रा उस समय दहशत में बदल गई जब शाम चार बजे अचानक भूस्खलन हो गया. यह हादसा यमुनोत्री धाम के पैदल मार्ग पर भैरव मंदिर के पास हुआ, जहां सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन के लिए जा रहे थे. इस हादसे में तीन यात्रियों के मलबे में दबने की पुष्टि हुई है. घटना की जानकारी मिलते ही उत्तरकाशी जिला प्रशासन हरकत में आ गया.

जिला सूचना अधिकारी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि एसडीआरएफ की टीम, मेडिकल स्टाफ और स्थानीय प्रशासन ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है.

वहीं, पुलिस बल भी मौके के लिए रवाना हो चुका है. रेस्क्यू टीमों ने पहाड़ से गिरे मलबे को हटाने का कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिया है. श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मार्ग को फिलहाल बंद कर दिया गया है और अन्य यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया गया है. जिलाधिकारी उत्तरकाशी घटना पर लगातार नजर बनाए हुए हैं औरकंट्रोल रूम से पल-पल की मॉनिटरिंग की जा रही है. सभी संबंधित एजेंसियों को तत्काल राहत और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए गए हैं.

रेल में बुजुर्ग महिला यात्री के 35 लाख के गहने चोरी

इंदौर.

इंदौर-दौंड एक्सप्रेस में सफर कर रही एक बुजुर्ग महिला से करीब 35 लाख रुपये के गहने और नकदी की चोरी का मामला सामने आया है. मुंबई क्राइम ब्रांच और रेलवे पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में इस मामले के आरोपी हिस्ट्रीशीटर महेश घाग उर्फ विक्की को महाराष्ट्र के चिपलून से गिरफ्तार कर लिया गया है. यह घटना गुरुवार रात की है. पीड़ित महिला ने अपने पर्सनल बैग को सिरहाने रखकर सोने से पहले उसमें मोती की मालाएं, हीरे जड़ी चूड़ियां, अंगूठियां, सोने की घड़ियां, चैन और नकदी रखी थी. शुक्रवार सुबह जब ट्रेन कल्याण स्टेशन पहुंची तो महिला को पता चला कि बैग चोरी हो चुका है. महिला की शिकायत पर कल्याण रेलवे पुलिस और मुंबई क्राइम ब्रांच ने मिलकर जांच शुरू की. स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति जल्दी-जल्दी ट्रेन से उतरते हुए दिखा. जांच में पुष्टि हुई कि वह व्यक्ति कोई और नहीं बल्कि पुराना अपराधी महेश घाग है, जिस पर पहले से कई मामले दर्ज हैं पुलिस ने उसे घटना के 12 घंटे के भीतर ही चिपलून से धर दबोचा. आरोपी के पास से सभी गहने और नकदी बरामद कर ली गई है. फिलहाल मामले की गहराई से जांच की जा रही है.

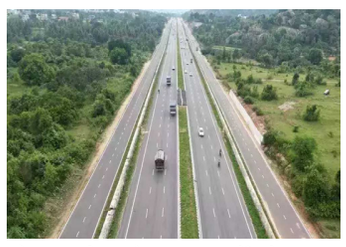

अबू आजमी का विवादित बयान

> वारकरी संप्रदाय के पालकी समारोह की तुलना सड़कों पर नमाज पढ़ने से की

मुंबई. समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रमुख और मुंबई के मानखुर्द शिवाजी नगर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक अबू आसिम आजमी ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है. सोलापुर दौरे पर आए आजमी ने सदियों पुराने तीर्थस्थल 'पंढरपुर वारी' तक निकलने वाली वारकरी संप्रदाय के पालकी समारोह की तुलना सड़क पर नमाज पढ़ने से की. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सड़क पर नमाज पढ़ने वालों के पासपोर्ट रद्द करने की टिप्पणी का हवाला देते हुए आजमी ने कहा, 'कई हिंदू त्यौहार सड़कों पर मनाए जाते हैं. लेकिन कोई भी मुस्लिम व्यक्ति हिंदू त्यौहारों के खिलाफ शिकायत नहीं करता. लेकिन जब कोई मुस्लिम दस मिनट के लिए सड़क पर नमाज पढ़ता है, तो शिकायत की जाती है. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने की धमकी दे रहे हैं. इससे पहले भी अबू आसिम आजमी के औरंगजेब का महिमामंडन करने वाले बयान पर राजनीतिक बवाल मचा था. तब आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा के तत्कालीन सत्र से निलंबित कर दिया गया था. सत्र के दौरान उनकी टिप्पणियां चर्चा का विषय रहीं. महाराष्ट्र विधानसभा का मानसून सत्र 30 जून से शुरू होने की संभावना है. वारकरी आंदोलन पर आजमी की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'आजमी प्रचार पाने के लिए ऐसी टिप्पणियां करते हैं. मैं उन पर ध्यान नहीं देना चाहता.' देवेंद्र फडणवीस को जवाब देते हुए आजमी ने कहा, 'मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा है. मैं हिंदू त्योहारों का स्वागत करने के लिए तैयार हूं, लेकिन अगर जगह की कमी के कारण मुसलमान 10 मिनट के लिए सड़क पर नमाज़ पढ़ते हैं, तो नाराजगी होती है.' अबू आजमी ने इस मौके पर कहा कि वह मराठी की इज्जत करते हैं.

केजरीवाल का राज्यसभा जाना पक्का?

नई दिल्ली.

अरविंद केजरीवाल को जश्न मनाने का बड़ा मौका मिला है. देश भर में पांच सीटों पर हुए उपचुनाव में दो सीटों के नतीजे आम आदमी पार्टी के पक्ष में आए हैं. एक सीट तो पंजाब की है, लेकिन एक सीट गुजरात की है. हालांकि, यह सीट पहले भी आप के ही पास थी, लेकिन गुजरात में बीजेपी के गढ़ के बीच अपनी सीट बरकरार रखना आप के लिए कम नहीं है. यानी आम आदमी पार्टी ने अपनी दोनो ही सीटें बचा ली है. और जिन परिस्थितियों में ऐसा किया है, वो ज्यादा ही महत्वपूर्ण है. बीजेपी ने इसी साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल को सबसे बड़ा दर्द दिया था. अरविंद केजरीवाल के जेल से छूटकर आने के बाद हुआ हरियाणा चुनाव का हासिल तो शून्य ही रहा, बीजेपी ने सत्ता पर लगातार दस साल तक काबिज रही आम आदमी पार्टी को दिल्ली से भी चलता कर दिया. गुजरात की विसावदर उपचुनाव की जीत का तो अपना महत्व है ही, लुधियाना वेस्ट विधानसभा सीट पर अरविंद केजरीवाल को शिद्दत से जीत की दरकार थी.

सीएम ने किया ऐलान, किन रास्तों पर होगा बदलाव?

सिंहस्थ कुंभ के लिए सबसे बड़ी सड़क योजना

मुंबई. नाशिक के त्र्यंबकेश्वर में साल 2027 में आयोजित होने जा रहा है सिंहस्थ कुंभ मेला. इस कुंभ मेले को सफल, सुरक्षित और भक्तों के लिए सुविधाजनक बनाने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की. सीएम फडणवीस और केंद्रीय मंत्री गडकरी के अलावा इस बैठक में राज्य के मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले, गिरीश महाजन, सांसद स्मिता वाघ, विधायक देवयानी फडांडे, विधायक मंगेश चव्हाण सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे. सिंहस्थ कुंभ मेला के लिए सड़कों पर होगा खास फोकस- देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि आगामी कुंभ मेले के लिए नाशिक में सड़क सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में कई अहम फैसले लिए गए हैं. उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि नाशिक को सिंहस्थ कुंभ मेला 2027 के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को सुरक्षित, सुचारु और यादगार दर्शन बनाने के लिए सड़कों को खास तौर पर तैयार किया जा रहा है. केंद्रीय मंत्री गडकरी ने आवश्यक सड़कों के डीपीआर को तुरंत तैयार करने और बिना विलंब के फंड उपलब्ध कराने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी है. उनके मुताबिक, कुंभ मेले के दौरान मुंबई, गुजरात, पालघर, पुणे, अहिल्यानगर, छत्रपति संभाजीनगर और धुले जैसे शहरों से भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है.

इसे ध्यान में रखते हुए इन मार्गों को मजबूत करने की प्लानिंग बनाई गई है. साथ ही नाशिक रिंग रोड को मंजूरी दी गई है, नाशिक-त्र्यंबकेश्वर रोड को 6 लेन में विस्तारित किया जाएगा और द्वारका सर्कल को दो चरणों में विकसित किया जाएगा, ताकि ट्रैफिक व्यवस्था बाधित न हो. इन जगहों पर होगी भारी भीड़ की संभावना सीएम ने बताया कि बैठक में जिन प्रमुख सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, उनमें शामिल हैं- घोटी, पहिने, त्र्यंबकेश्वर, जव्हार फाटा, द्वारका सर्कल, सिन्नर, नांदूर शिंगोटे, कोल्हार, नाशिक से कसारा, सावली विहीर, शिर्डी, शनी- शिंगणापुर फाटा, नाशिक से धुले, त्र्यंबकेश्वर, जव्हार, मानोर, सावली विहीर, मनमाड, मालेगांव, घोटी, सिन्नर, वावी, शिर्डी और शनी, शिंगणापुर फाटा, अहिल्यानगर (खरवंडी फाटा). ये सभी परियोजनाएं कुंभ मेले को एक सुगम, सुरक्षित और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध अनुभव देने के उद्देश्य से तैयार की गई हैं.

ईरान-इजराइल संकट और बढ़ती तेल की कीमतें

> देश पहले भी भुगत चुका है नुकसान?

नई दिल्ली.

ईरान-इजराइल वॉर में अमेरिका का कूदना कई देशों के लिए काफी नुकसानदायक हो सकता है. उसका कारण भी है. इसकी वजह से मिडिल ईस्ट की टेंशन में इजाफा होगा और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखने को मिलेगी. इस तेजी का असर दुनिया के उन देशों की इकोनॉमी पर देखने को मिलेगा जो कच्चे तेल के लिए सिर्फ इंपोर्ट पर ही निर्भर हैं. जैसे कि भारत इसका सबसे बेहतरीन और बड़ा उदाहरण है. जब जब भी इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा देखने को मिलता है. उसकी वजह से देश में महंगाई बढ़ती है. भारत के इंपोर्ट बिल में इजाफा होता है. भारत के खजाने पर असर देखने को मिलता है. रुपए में गिरावट देखने को मिलती है. इन सबसे और भी बड़ा नुकसान जीडीपी को होता है.

अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या भारत कच्चे तेल की महंगाई को झेल पाएगा? इस सवाल के जवाब के लिए हमें इतिहास के पन्नों को पलटने की जरुरत है. जब 2008 में इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों 140 डॉलर प्रति बैरल को भी पार कर गई थीं. तब देश की इकोनॉमी को किस तरह का नुकसान उठाना पड़ा था. तब तत्कालिक सरकार ने इकोनॉमी को कैसे संभाला था? आइए उस समय के आंकड़ों से समझने की कोशिश करते हैं...

करीब दो सप्ताह पहले इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से कच्चे तेल की कीमत में 14 से 15 फीसदी का उछाल देखने को मिल चुका है. ईरान, जो एक प्रमुख तेल उत्पादक है, से सप्लाई गंभीर रूप से बाधित हो सकती है. अब ईरान ने होमुर्ज स्ट्रेट को बंद करने का भी ऐलान कर दिया है. ऐसे में कच्चे तेल की कीमतें और भी ज्यादा हाई लेवल पर पहुंच सकती है. ऐसे में भारत पर इसका क्या असर पड़ेगा? क्या भारत की इकोनॉमी इस महंगाई को झेल पाएगी? ऐसे तमाम सवाल उभरकर सामने आ गए हैं. इसे समझने के लिए हमें करीब दो दशक पीछे जाना होगा.

2008 में पीक पर पहुंचे थे क्रूड ऑयल के दाम

भारत अपने कच्चे तेल का करीब 90 फीसदी आयात करता है, जिसका मतलब है कि यह तेल की ऊंची कीमतों के प्रति संवेदनशील है. लेकिन क्या तेल की कीमतें वाकई इतनी अधिक हैं? हाल ही में हुई बढ़ोतरी के बावजूद, तेल की कीमतें हिस्टोरिकल स्टैंडर्ड के हिसाब से कम बनी हुई हैं. पिछले दो दशकों में कच्चे तेल की कीमतें कितनी रही हैं उसका चार्ट यहां पर दिया गया है.

कल खुलेगा सुपरटेक ईवी का आईपीओ

> 29.90 करोड़ जुटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली.

भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल (इवि) क्रांति को गति देने वाली अग्रणी कंपनियों में से एक सुपरटेक ईवी लिमिटेड अब अपना एसएमई पब्लिक इश्यू लेकर आ रही है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ से ₹29.90 करोड़ तक की पूंजी जुटाना है। यह इश्यू 25 जून 2025 से 27 जून 2025 तक निवेशकों के लिए खुला रहेगा। यह इश्यू कंपनी के भविष्य के विस्तार और इनोवेशन को मजबूती देगा।

जुटाई गई राशि का उपयोग कंपनी वर्किंग कैपिटल ज़रूरतों, कर्ज के आंशिक पुनर्भुगतान, और कॉर्पोरेट खर्चों के लिए करेगी। इस आईपीओ में न्यूनतम निवेश ₹1,10,400 रखा गया है (1,200 शेयर × 92 प्रति शेयर)। 2022 में स्थापित, सुपरटेक ईवी ने बहुत ही कम समय में 445 से अधिक डिस्ट्रीब्यूटर्स और 19 राज्यों में व्यापक उपस्थिति के साथ एक मज़बूत नींव तैयार की है। कंपनी का प्रोडक्ट पोर्टफोलियो 12 से ज्यादा मॉडल्स का है, जिसमें टू व्हीलर, ई-रिक्शा, कचरा निपटान वाहन और लोडर शामिल हैं। कंपनी ने हाल ही में "कार्गो मैक्स", "पैसेंजर मैक्स" और "जैपस्टर प्रो" जैसे इनोवेटिव प्रोडक्ट्स लॉन्च किए हैं, जो खासतौर पर भारत की ग्रामीण और शहरी दोनों मार्केट को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की मांग हर साल तेज़ी से बढ़ रही है। एफवाय 2024 में इवि टू व्हीलर्स की बाजार हिस्सेदारी 5% तक पहुंच गई है और आने वाले वर्षों में इसमें कई गुना वृद्धि की संभावना है। सुपरटेक ईवी इस अवसर को पकड़कर देश के हरित भविष्य में अपनी भूमिका को और मजबूत कर रही है।

टाटा मोटर्स ने लॉन्च किया सबसे सस्ता 4-व्हील मिनी ट्रक

नई दिल्ली.

देश में उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को नई रफ्तार देने के मिशन में टाटा मोटर्स ने एक और मील का पत्थर छू लिया है। कंपनी ने 'टाटा ऐस प्रो' नाम से देश का सबसे किफायती 4-व्हील मिनी ट्रक लॉन्च किया है, जिसकी शुरुआती कीमत सिर्फ 3.99 लाख है। यह लॉन्च न केवल सस्ती कार्गो मोबिलिटी का वादा करता है, बल्कि छोटे व्यापारियों और नए उद्यमियों को एक सशक्त साधन भी प्रदान करता है।

टाटा ऐस प्रो को पेट्रोल, सीएनजी-पेट्रोल (बाय-फ्यूल) और 100% इलेक्ट्रिक वैरिएंट्स में पेश किया गया है। इसका मतलब है हर जरूरत, हर इलाके और हर सपने के लिए एक उपयुक्त विकल्प मौजूद है। ईवी वैरिएंट्स उन व्यवसायों के लिए खास हैं जो ई-कॉमर्स, एफएमसीजी, डार्क स्टोर्स और ग्रीन लॉजिस्टिक्स से जुड़े हैं। टाटा मोटर्स के 1250+ डीलरशिप नेटवर्क और फ्लीटवर्स ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के ज़रिए ग्राहक बड़ी आसानी से ऐस प्रो को बुक कर सकते हैं। कंपनी ने बैंकों और एनबीएफसीस के साथ साझेदारी की है ताकि खरीदारों को आसान इएमआई,त्वरित ऋण स्वीकृति और परेशानी-मुक्त फाइनेंसिंग मिल सके।

गिरीश वाघ, एजीक्यूटिव डायरेक्टर, टाटा मोटर्स "टाटा ऐस ने पिछले 20 सालों में 25 लाख से अधिक उद्यमियों को सशक्त किया। ऐस प्रो इसी विरासत को एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ा रहा है। यह मजबूती, सुरक्षा और मुनाफे का पर्याय है।"

पिनाकी हल्दर "हमने ऐस प्रो को ज़मीन से जुड़ी ज़रूरतों को समझते हुए डिज़ाइन किया है। ये ट्रक भारत के मौसम, सड़कों और व्यापारिक रफ्तार के हिसाब से पूरी तरह फिट बैठता है।"

भारत की हरित क्रांति की उड़ान

> अदाणी ने शुरू किया ऑफ-ग्रिड ग्रीन हाइड्रोजन पायलट प्लांट

अहमदाबाद.

भारत ने स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बढ़ाया है। अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने गुजरात के कच्छ में देश का पहला ऑफ-ग्रिड 5 मेगावाट ग्रीन हाइड्रोजन पायलट प्लांट शुरू कर दिया है। यह प्लांट न केवल ऊर्जा के क्षेत्र में इनोवेशन का प्रतीक है, बल्कि यह भारत के कार्बन मुक्त भविष्य की दिशा में एक बड़ा परिवर्तनकारी प्रयास भी है।

यह अत्याधुनिक प्लांट पूरी तरह सौर ऊर्जा से संचालित है और इसमें बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम की सुविधा भी है, जिससे यह पूरी तरह ग्रिड-फ्री यानी स्वतंत्र रूप से काम करता है। इसमें लगे क्लोज्ड-लूप ऑटोमैटिक इलेक्ट्रोलाइज़र सिस्टम की खास बात यह है कि यह सौर ऊर्जा के उतार-चढ़ाव के अनुसार खुद को ढाल सकता है।

यह पायलट प्रोजेक्ट न केवल उत्पादन में ऊर्जा दक्षता और लचीलापन प्रदान करता है, बल्कि यह उर्वरक, रिफाइनिंग, और भारी परिवहन जैसे क्षेत्रों में कार्बन उत्सर्जन को घटाने के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बन सकता है। यह भारत को वैश्विक ग्रीन हाइड्रोजन हब बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

अदाणी ग्रुप की यह पहल देश के ऊर्जा क्षेत्र को आत्मनिर्भर, टिकाऊ और स्वच्छ बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है।

यह प्रोजेक्ट मुंद्रा में प्रस्तावित मेगा ग्रीन हाइड्रोजन हब की दिशा में भी एक ठोस और व्यावहारिक शुरुआत है।

कब लागू होगा 8वां वेतन आयोग?

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली केंद्रीय कैबिनेट ने गुरुवार को एक बड़ा फैसला लिया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि 8वें वेतन आयोग का गठन किया जाएगा। इस आयोग का मकसद केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स के वेतन, पेंशन और भत्तों को संशोधित करना है। यह घोषणा बजट 2025 से कुछ दिन पहले हुई है। यह आयोग केंद्र सरकार के कर्मचारियों और सेवानिवृत्त लोगों के वेतन, महंगाई भत्ते और पेंशन में बदलाव के लिए सिफारिशें करेगा। इसमें महंगाई के हिसाब से भत्तों को भी जोड़ा जाएगा।

अभी सरकार ने वेतन वृद्धि का कोई आधिकारिक प्रतिशत नहीं बताया है। मगर, रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिटमेंट फैक्टर के आधार पर न्यूनतम बेसिक सैलरी 18,000 रुपये से बढ़कर 51,480 रुपये हो सकती है। यह एक गुणक (मल्टीप्लायर) होता है, जिसके आधार पर वेतन और पेंशन की गणना की जाती है। इसमें महंगाई, सरकार की आर्थिक स्थिति और कर्मचारियों की जरूरतें जैसे कारक शामिल होते हैं।

हर 10 साल में गठित होने वाला यह आयोग सरकारी कर्मचारियों के वेतन, भत्तों, पेंशन और बोनस की समीक्षा करता है। यह महंगाई, आर्थिक हालात और सरकारी खजाने की स्थिति को ध्यान में रखकर सिफारिशें बनाता है।1946 से अब तक 7 वेतन आयोग बन चुके हैं। 7वें वेतन आयोग की सिफारिशें (2016 में लागू) अभी चल रही हैं। मोदी सरकार का यह नया कदम 10 साल के चक्र को आगे बढ़ाएगा।

यह खबर सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए एक बड़ी राहत लेकर आई है। अब देखना है कि आयोग की सिफारिशों में आम आदमी की जेब पर क्या असर पड़ता है।

दिल्ली-मुंबई में सोना 1 लाख से नीचे

नई दिल्ली.

सोने और चांदी की कीमतों में आज फिर से कमी देखने को मिली है. वैश्विक और भू-राजनीतिक तनाव, जैसे ईरान-इजराइल के बीच जंग और अमेरिकी डॉलर में उतार-चढ़ाव का असर सोने-चांदी के दामों पर पड़ रहा है. आज यानी 23 जून 2025 को 24 कैरेट सोने का रेट 10 ग्राम के लिए 1,00,740 रुपये तक पहुंच गया है. वहीं, 22 कैरेट सोने की कीमत 92,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट सोने की कीमत 75,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. चांदी के दामों में भी गिरावट आई है और अब यह 1,09,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है.ईरान और इजराइल के बीच तनाव के बीच आज सोमवार को सोने की कीमतों में हल्की गिरावट देखी गई. 24 कैरेट सोना सस्ता हुआ है, जबकि गहने बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाला 22 कैरेट सोना के दाम स्थिर रहे. 22 कैरेट सोना 92,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर बिक रहा है, वहीं 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,740 रुपये प्रति 10 ग्राम है.

देश की राजधानी दिल्ली में आज 24 कैरेट सोने का भाव 1,00,890 रुपये प्रति 10 ग्राम तक लुढ़क गया है. वहीं, 22 कैरेट सोने की कीमत 92,490 रुपये प्रति 10 ग्राम है. पूरे देश में 24 कैरेट सोना 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम से ऊपर बना हुआ है, जबकि 22 कैरेट सोना 92 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है. मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और हैदराबाद में 24 कैरेट सोने का रेट 1,00,740 रुपये प्रति 10 ग्राम है. वहीं, 22 कैरेट सोने की कीमत मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद में 92,340 रुपये प्रति 10 ग्राम है. चांदी की बात करें तो दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में इसकी कीमत 1,09,900 रुपये प्रति किलोग्राम है, जबकि चेन्नई और हैदराबाद में चांदी 1,19,900 रुपये प्रति किलोग्राम के रेट पर बिक रही है.

इंडसइंड बैंक उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए केंद्र सरकार से सम्मानित!

मुंबई.

डिजिटल इंडिया की दिशा में उल्लेखनीय योगदान के लिए इंडसइंड बैंक को भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा 'डिजिटल पेमेंट्स अवॉर्ड 2023-24' से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार निजी बैंकों की श्रेणी में तीसरे स्थान पर आने के लिए मिला है।

इंडसइंड बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 में अपने डिजिटल लेनदेन लक्ष्य का 120% से भी अधिक प्रदर्शन किया. जो निजी क्षेत्र के सभी बैंकों में सबसे अधिक है। यह उपलब्धि बैंक की आधुनिक डिजिटल रणनीति और ग्राहकों तक सरल, सुरक्षित और नवीन सेवाएं पहुँचाने के सतत प्रयासों का प्रमाण है। इस भव्य समारोह में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी मुख्य व विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैंक की ओर से यह पुरस्कार रितेश राज सक्सेना (हेड – डायरेक्ट बैंकिंग) और देव रतन सूरी (हेड – पेमेंट्स, कार्ड्स और सरकारी व्यवसाय) ने प्राप्त किया।

इंडसइंड बैंक के कंज़्यूमर बैंकिंग और मार्केटिंग हेड सौमित्र सेन ने कहा: "यह पुरस्कार भारत की डिजिटल क्रांति में हमारी भूमिका की पुष्टि है। हमारी कोशिश है कि हम अपने ग्राहकों को इंडी जैसे प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से सहज, सुरक्षित और निजी बैंकिंग अनुभव दें। हम हर वर्ग के लिए बैंकिंग को सुलभ बनाने को प्रतिबद्ध हैं।"

बैंक का 'इंडी' ऐप आज देश के सबसे तेज़ी से बढ़ते रीटेल बैंकिंग प्लेटफॉर्म्स में से एक है, जिसके 16 लाख से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं। बैंक हर महीने लगभग 12 लाख डिजिटल लोन एप्लिकेशन पूरी तरह ऑनलाइन प्रोसेस करता है। डिजिटल ट्रांजैक्शन रेशियो 93% तक पहुँच चुका है, जो इसे भारत के अग्रणी डिजिटल बैंकिंग संस्थानों में शामिल करता है।

बैंकों की हालत खराब, मुनाफे में गिरावट!

नई दिल्ली.

मार्च 2025 की तिमाही बैंकों के लिए कोई खास अच्छी नहीं रही. इस बार बैंकों का कुल मुनाफा सिर्फ एक अंक में बढ़ा, जो पिछले चार साल यानी 17 तिमाहियों में पहली बार देखने को मिला.

प्राइवेट सेक्टर के बैंकों की कमजोर परफॉर्मेंस और देश के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मुनाफे में कमी ने इस सुस्ती की बड़ी वजह बनकर सामने आई. नेट इंटरेस्ट इनकम में भी सिर्फ एक अंक की बढ़त दर्ज हुई, जबकि मार्जिन पर लगातार दबाव बना रहा. हालांकि, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने सितंबर से बैंकिंग सिस्टम में अतिरिक्त लिक्विडिटी डालने की शुरुआत की और ब्याज दरों में कटौती की, जिससे आने वाले समय में बैंकों की स्थिति सुधरने की उम्मीद जताई जा रही है.

पब्लिक सेक्टर बैंकों का प्रदर्शन भले ही सुस्त रहा हो लेकिन प्राइवेट बैंकों की हालत और खराब रही. प्राइवेट सेक्टर बैंकों का कुल मुनाफा 2.5% गिरकर 45,424.9 करोड़ रुपये पर आ गया. ये पिछले 13 तिमाहियों में पहली बार हुआ जब प्राइवेट बैंकों के मुनाफे में सालाना आधार पर गिरावट देखी गई. इस कमजोर प्रदर्शन ने प्राइवेट बैंकों की हिस्सेदारी को भी प्रभावित किया. सैंपल के कुल मुनाफे में उनकी हिस्सेदारी 52.1% से घटकर 48.4% रह गई, जो पिछले आठ तिमाहियों में सबसे कम थी.

हालांकि, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने इस स्थिति से निपटने के लिए कुछ कदम उठाए हैं. सितंबर 2024 से आरबीआई ने बैंकिंग सिस्टम में अतिरिक्त लिक्विडिटी डालने की शुरुआत की.

इसके अलावा, ब्याज दरों में कटौती भी की गई, जिससे बैंकों पर मार्जिन का दबाव कम होने की उम्मीद है. विशेषज्ञों का मानना है कि इन कदमों का असर अगली कुछ तिमाहियों में दिख सकता है, और बैंकों की मुनाफे की रफ्तार फिर से पटरी पर लौट सकती है.

एसबीआई के मुनाफे में भी भारी गिरावट

29 बैंकों के एक सैंपल पर नजर डालें तो कुल नेट प्रॉफिट में 4.9% की बढ़त देखी गई, जो 93,828.3 करोड़ रुपये रही. लेकिन देश का सबसे बड़ा बैंक एसबीआई इस बार मुनाफे के मामले में पिछड़ गया. एसबीआई का नेट प्रॉफिट 9.9% गिरकर 18,642.6 करोड़ रुपये पर आ गया. इस सैंपल में एसबीआई की हिस्सेदारी 20% थी, जो इस बात को दर्शाता है कि एसबीआई का प्रदर्शन कुल आंकड़ों पर कितना असर डालता है. पब्लिक सेक्टर बैंकों ने मिलकर 13% की प्रॉफिट ग्रोथ हासिल की, जो 48,403.4 करोड़ रुपये रही. लेकिन ये बढ़त पिछले 11 तिमाहियों में सबसे कम थी.

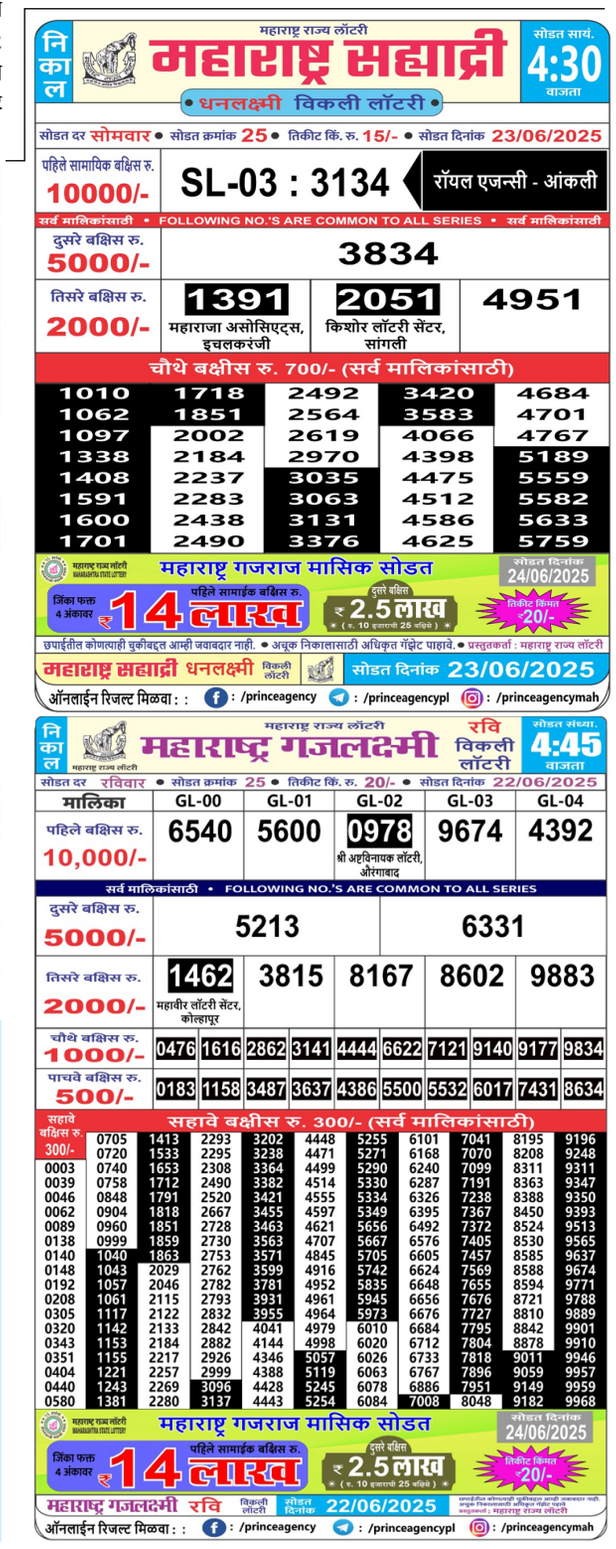

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

निकाय चुनाव से पहले गठबंधन की चर्चा तेज

ठाकरे बंधुओं पर संजय राउत का बयान

मुंबई. शिवसेना (उद्धव गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के बीच संभावित गठबंधन पर निर्णय उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे करेंगे और इस मुद्दे पर किसी अन्य की ओर से बयानबाजी गलत है. सांसद संजय राउत का बयान ऐसे समय आया है जब एक तरफ उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना के नेता राज ठाकरे को संकेत भेज रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मनसे के अध्यक्ष ने हाल ही में मुंबई के एक होटल में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की, जिससे उनके अगले राजनीतिक कदम के बारे में अटकलें शुरू हो गई हैं.

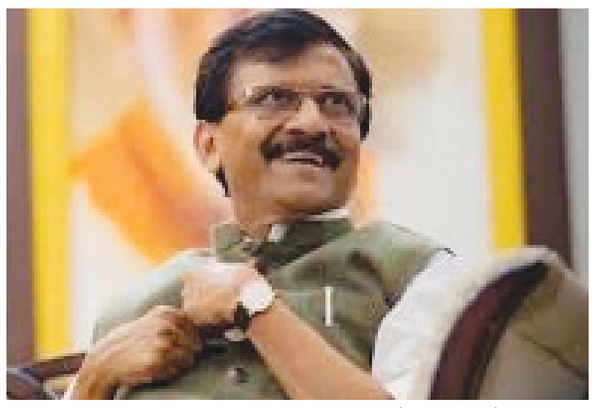

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थक से आलोचक बने एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने 2024 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेतृत्व वाली महायुति को समर्थन दिया था.

वह एमएनएस नेता संदीप देशपांडे के शिवसेना (यूबीटी) की आलोचना पर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे. राउत ने कहा कि गठबंधन पर फैसला राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे द्वारा नेता और भाई के तौर पर लिया जाएगा. इस साल के अंत में होने वाले संभावित नगर निकाय चुनावों से पहले ठाकरे बंधुओं के बीच संभावित सुलह की अटकलें लगाई जा रही हैं. करीब दो दशक पहले अलग-अलग रास्ता अख्तियार करने वाले ठाकरे भाइयों ने हाल में कुछ बयान दिये थे, जिससे संकेत मिला कि वे मामूली मुद्दों को नजरअंदाज करके हाथ मिला सकते हैं.

गठबंधन पर कौन लेगा फैसला?

संजय राउत ने कहा कि गठबंधन पर फैसला लेने वाले केवल उद्धव और राज ही हैं. शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने दावा किया, एमएनएस के जो लोग गठबंधन के खिलाफ बोल रहे हैं, वे राजनीति में देर से आए हैं. दूसरे क्या कहते हैं, उसका कोई महत्व नहीं है. मैंने ठाकरे बंधुओं को कई वर्षों तक करीब से देखा है. मैं जानता हूं कि क्या होने वाला है और क्या नहीं. मुझसे बेहतर कोई नहीं जानता.

मराठी अभिनेता तुषार घाडीगांवकर ने की आत्महत्या, पंखे से लटका मिला शव

मुंबई. मराठी फिल्म कलाकार तुषार घाडीगांवकर, उम्र 34 साल, ने शुक्रवार (20 जून) को अपने गोरेगांव पश्चिम के राम मंदिर रोड स्थित एसआरए सोसायटी के फ्लैट नंबर 102 में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली. गोरेगांव पुलिस ने इस घटना को आकस्मिक मौत का मामला बताया है.मिली जानकारी के अनुसार, बीती रात जब घर में कोई मौजूद नहीं था, तब उन्होंने पंखे से लटककर अपनी जान दे दी. रात के समय जब वह फोन नहीं उठा रहे थे, तो पड़ोसियों को शक हुआ और उन्होंने दरवाजा खटखटाया. दरवाजा न खुलने पर अंततः उसे तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया, जहां तुषार को फांसी पर लटका पाया गया.

प्राथमिक जांच में यह मामला तनाव के चलते आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है. मृतक की पत्नी और पिता ने पुलिस को दिए गए अपने बयान में किसी भी तरह के शक या आरोप से इनकार किया है. मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है. पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है.शुरुआती जांच से पता चला है कि उन्हें काम नहीं मिल पाने का तनाव था, जिसकी वजह से उन्होंने यह कदम उठाया. तुषार मराठी फिल्मों, टीवी शो और थिएटर में अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाते थे. इसके अलावा, वह प्रोडक्शन के क्षेत्र में भी सक्रिय थे.

शिक्षक पिता ने बेटी को पीटकर मार डाला

सांगली. जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां पर एक स्कूल शिक्षक ने कम नंबर लाने पर अपनी 16 वर्षीय बेटी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार रात आटपाडी तहसील के नेलकरंजी गांव में हुई। अधिकारी ने कहा कि आरोपी धोंडीराम भोसले (45) अपनी बेटी साधना से नाराज था।

जानकारी के मुताबिक उसकी बेटी बारहवीं कक्षा की छात्रा थी। एक परीक्षा में कम नंबर आने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। इसके बाद पिता अपने गुस्से पर नियंत्रण नहीं रख पाया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने आटा पीसने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पत्थर की चक्की का लकड़ी का हैंडल उठाया। अपनी पत्नी और बेटे की मौजूदगी में उससे अपनी बेटी को पीटना शुरू कर दिया। आटपाडी पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक विनय बहिर ने कहाकि गंभीर रूप से घायल साधना को सांगली के अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी मौत की वजह बहुत सी चोटें लगना बताया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बताया कि लड़की की मां की शिकायत के आधार पर आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर लोगों में काफी नाराजगी है।लोगों का कहना है कि नंबरों के लिए किसी को पीटना पूरी तरह से गलत है। घटना में हैरान करने वाला पहलू यह है कि लड़की का पिता खुद एक अध्यापक था। एक टीचर द्वारा केवल नंबर के आधार पर किसी की प्रतिभा के बारे में फैसला लेने को लोग गलत ठहरा रहे हैं।

गिड़गिड़ाती मां के सामने बेटे ने लगाई फांसी

मुंबई.

हाथ में फोन। फोन में चल रही वीडियो कॉल, जिसमें एक युवक पंखे से लटकता दिखाई दे रहा है। इधर फोन पकड़े हुए लोग गिड़गिड़ाते हुए गुहार लगा रहे हैं- ए मुजाहिद रुक जा, रुक जा रे... लेकिन इस गिड़गिड़ाहट, गुहार का कोई असर नहीं होता और लड़का फांसी के फंदे से लटककर जान दे देता है। मामला राजस्थान के जोधपुर का है, जहां एक परिवार पर उस वक्त दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, जब बेटे ने मुंबई से वीडियो कॉल कर माता-पिता के सामने खुदकुशी कर ली।

घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में फांसी लगाने वाला युवक जोधपुर के बलदेव नगर का रहने वाला बताया गया है। उसका नामम मुजाहिद है और मुंबई में रहता था। घरवालों के मुताबिक उनका बेटा काफी समझदार था। आसपास वालों ने बताया कि वो इन दिनों आर्थिक समस्याओं से जूझ रहा था। इसके चलते वो काफी परेशान रहने लगा था। कुछ लोगों के मुताबिक इस कारण वो डिप्रेशन का शिकार भी हो चला था। वीडियो में, हाथ में फोन लिए मां मुजाहिद को बार-बार रोकने के लिए कहती है। ए मुजाहिद रुक जा, ए मुजाहिद रुक जा... बीच बीच में पिता के भी गिड़गिड़ाते हुए रोकने की आवाज आती है, लेकिन बेटा तब तक फांसी के फंदे से झूल जाता है। बातचीत के दौरान पिता मुंबई आने की बात भी करते दिखाई देते हैं। मां पैसों को लेकर भी कुछ कहती सुनाई देती है। हालांकि इस मामले में परिवार वालों ने चुप्पी थामी हुई है। मुजाहिद के परिजन शव को लेने के लिए मुंबई गए हुए हैं।

मीरा भायंदर में फैला डेंगू

भायंदर. मीरा भायंदर शहर में डेंगू बीमारी का प्रकोप बढ़ने लगा है। शहर में फिलहाल 40 मरीज डेंगू से पीड़ित हैं और आशंका है कि मानसून के दौरान यह संख्या और बढ़ जाएगी। इसलिए मनपा नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील कर रही है।

मीरा भयंदर नगर निगम शहर में डेंगू और मलेरिया जैसी महामारी बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए विभिन्न उपायों को लागू कर रहा है। इनमें मुख्य रूप से कीटनाशकों का छिड़काव, जल शोधन और साफ-सफाई शामिल है। हालांकि, नगर निगम के रिकॉर्ड के अनुसार, डेंगू और मलेरिया जैसी महामारी बीमारियों से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ रही है।

डेंगू बुखार मुख्य रूप से मानसून के मौसम में फैलता है। इसलिए, इस साल मानसून के मौसम में डेंगू बुखार को फैलने से रोकने के लिए नागरिकों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। इसके लिए नगर निगम प्रशासन लोगों को जागरूक कर रहा है कि वे अपने आसपास कहीं भी बारिश का पानी जमा न होने दें, कोई भी लक्षण महसूस होने पर तुरंत उपचार करवाएं और पौष्टिक भोजन करें। इसी तरह, हालांकि पिछले साल की तुलना में इस साल इन दोनों बीमारियों का प्रसार बहुत कम है, फिर भी डॉ. नंदकुमार लहाने ने नागरिकों से गंभीरता से सावधानी बरतने और लापरवाह न रहने की अपील की है।

वारी की वजह से ट्रैफिक जाम होता है : अबू आजमी

मुंबई. महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और विधायक अबू आजमी एक बार फिर अपने विवादित बयान की वजह से चर्चा में आ गए हैं. उन्होंने महाराष्ट्र की प्रसिद्ध 'वारी यात्रा' को लेकर एक विवादास्पद बयान देकर नया राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है. पंढरपुर में संत ज्ञानेश्वर और संत तुकाराम की पालखी यात्रा के दौरान उन्होंने कहा कि इस यात्रा के चलते सड़कों पर जाम लग जाता है, जिससे आम लोगों को परेशानी होती है. अबू आजमी ने सवाल उठाया कि हिंदुओं के त्योहारों पर मुसलमान कोई आपत्ति नहीं जताते, लेकिन जब मुसलमान नमाज अदा करते हैं, तब शिकायतें की जाती हैं. उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, "मस्जिद के बाहर नमाज नहीं पढ़ी जा सकती, इसका विरोध किया जाता है. लेकिन, हम हमेशा हिंदू भाइयों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलते हैं.

उन्होंने कहा, "आज तक किसी भी मुसलमान ने यह शिकायत नहीं की कि हिंदू त्योहारों की वजह से रास्ता बंद होता है. लेकिन, जब मस्जिद में नमाज पढ़ी जाती है, तो यूपी के मुख्यमंत्री कहते हैं कि अगर बाहर नमाज पढ़ी गई तो पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे.इस बयान में अबू आजमी ने यह भी आरोप लगाया कि मुसलमानों को सार्वजनिक जमीन या आयोजन के लिए आसानी से जगह नहीं मिलती. उन्होंने आगे कहा, "आज जब मैं सोलापुर आ रहा था, तब मुझे बताया गया कि पालखी आने वाली है, जल्दी निकलो वरना रास्ता जाम हो जाएगा. वारी की वजह से ट्रैफिक जाम होता है, लेकिन हमने कभी इसका विरोध नहीं किया. मुसलमानों के लिए जानबूझकर जमीन नहीं दी जाती. गौरतलब है कि संत ज्ञानेश्वर महाराज और संत तुकाराम महाराज की पालखी फिलहाल पुणे की दिशा से पंढरपुर की ओर प्रस्थान कर रही है. ऐसे में समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी के इस बयान से राजनीतिक विवाद गहराने की संभावना है.

वर्सोवा ब्रिज से तेल टैंकर खाड़ी में गिरा

भायंदर. मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर वर्सोवा ब्रिज का तटबंध तोड़कर तेल ले जा रहा एक तेल टैंकर खाड़ी में गिर गया। यह हादसा सोमवार सुबह करीब 11.30 बजे हुआ। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर विरार से ठाणे की ओर जा रहा एक तेल टैंकर सोमवार सुबह पुराने वर्सोवा ब्रिज के पास सड़क पर चल रहे एक अन्य वाहन से टकरा गया। टैंकर अनियंत्रित होकर पुल से सीधे खाड़ी में जा गिरा। इस दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए यातायात जाम हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही काशीगांव पुलिस और यातायात विभाग तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। इसके लिए मीरा भयंदर नगर निगम की दमकल को बुलाया गया है और तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

ऊबर कैब में महिला पायलट से छेड़छाड़

मुंबई.

महिलाओं के लिए सुरक्षित माने जाने वाली ऑनलाइन कैब सेवा में मुंबई की एक महिला पायलट के साथ छेड़खानी का मामला सामने आया है. इस महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और तीन लोगों पर आरोप लगाए हैं. शिकायत के आधार पर पुलिस ने उबर कैब के ड्राइवर और दो अन्य के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की है. यह जानकारी शनिवार (21 जून) को जारी की गई. घटना गुरुवार (19 जून) रात करीब 11.15 बजे तब हुई जब 28 वर्षीय महिला दक्षिण मुंबई से अपने घर घाटकोपर लौट रही थी. महिला ने पुलिस को बताया कि उनके पति नौसेना अधिकारी हैं, लेकिन सरकारी आवास न मिलने के कारण वह नौसेना आवासीय परिसर में रहते हैं, जबकि वह घाटकोपर में रहती हैं. गुरुवार रात को हुई इस घटना में पीड़िता के मुताबिक, कैब ड्राइवर ने न सिर्फ तय मार्ग से गाड़ी मोड़ दी, बल्कि दो अजनबी पुरुषों को कैब में बैठने की अनुमति भी दी, जिनमें से एक ने महिला के साथ अश्लील हरकत की यानी उसे गलत तरह से छुआ. इस मामले में कैब ड्राइवर और दो अन्य आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. महिला ने विरोध करते हुए जब आरोपी को फटकारा, तो उसने धमकी दी, लेकिन कैब ड्राइवर ने कोई दखल नहीं दिया. कुछ दूरी पर जब आरोपियों ने देखा कि आगे पुलिस चेकिंग हो रही है, तो दोनों पुरुष कैब से उतरकर फरार हो गए. महिला के अनुसार, कैब ड्राइवर ने 25 मिनट बाद रूट बदल दिया और दो पुरुषों को कैब में बैठने दिया था, महिला किसी तरह घर पहुंची. अगली सुबह जब महिला ने यह घटना अपने पति को बताई, तो दोनों ने मिलकर घाटकोपर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई.

तेज हॉर्न पर बवाल

बीजेपी पार्षद के बेटे से झड़प के बाद पत्थरबाजी

सोलापुर. सोलापुर के घोंगड़े वस्ती इलाके में दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई, जिसमें सात लोगों के घायल होने की सूचना है. यह झड़प एक मामलू से विवाद के बाद हुई. कार के तेज हॉर्न का विरोध करने पर दो लोग आपस में भिड़े और इसके बाद उनके साथी भी इसमें शामिल हो गए.

मामला रविवार (22 जून) की रात करीब 10.00 बजे का है. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इसमें पूर्व पार्षद के बेटे समेत दोनों गुटों के 7 लोग घायल हुए हैं. घोंगड़े वस्ती इलाके से रऊफ इनामदार और उसका दोस्त कार से गुजर रहे थे. इसी दौरान रऊफ इनामदार ने अपनी कार का हॉर्न बजाते हुए लोगों से सड़क से हटने के लिए कहा.उस समय, बीजेपी के पूर्व नगरसेवक सुरेश पाटिल के बेटे बिपिन पाटिल और रऊफ इनामदार के बीच इस बात को लेकर बहस शुरू हो गई कि वे जोर से हॉर्न क्यों बजा रहे थे? विवाद पहले मारपीट में बदला और फिर दोनों समूहों के 300 से अधिक लोगों की भीड़ आमने-सामने आ गई. दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर पथराव किया.

इस पथराव में सात लोग चोटिल हुए हैं. क्षेत्र में मौजूद गाड़ियों को भी काफी हद तक नुकसान पहुंचा. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस उपायुक्त विजय कबाड़े सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया. पुलिस का दंगा नियंत्रण दल भी मौके पर पहुंचा.

इस समय, पुलिस ने आक्रामक तरीके से घटनास्थल पर इकट्ठा हुए युवाओं को तितर-बितर किया. देर रात, घायलों को इलाज के लिए सोलापुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया.अभी तक इस मामले में किसी को हिरासत में लिया गया है या नहीं, यह पता नहीं चला है. न ही कोई केस दर्ज किया गया है. फिलहाल पुलिस इलाके में तनाव को कंट्रोल कर चुकी है और शांति बरकरार करने में लगी है.

मुंबई में हैवानियत की हदें पार!

10 साल की नाबालिग बच्ची के साथ रेप

मुंबई. मुंबई के जोगेश्वरी ईस्ट के मेघवाड़ी इलाके से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने सभी के रौंगटे खड़े कर दिए हैं. यहां एक महिला के प्रेमी ने उसकी 10 साल की नाबालिग बच्ची के साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया. इसके बाद उसके गुप्तांगों में पेचकस डाल दिया गया. इसके अलावा आरोपी ने नाबालिग लड़की का यौन शोषण किया और उसका वीडियो भी बनाया.

इस घटना ने मुंबई को एक बार फिर हिलाकर रख दिया है. मेघवाड़ी पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर 24 साल के एक आरोपी और उसकी 21 साल की गर्लफ्रेंड को गिरफ्तार किया है. आरोपी ने अपनी गर्लफ्रेंड की 10 साल की बेटी के साथ रेप किया. पीड़िता की मां एक कैटरिंग सर्विस फर्म में सुपरवाइजर के तौर पर काम करती है.

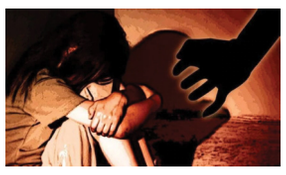

जानकारी के मुताबिक 14 और 15 जून को जब पीड़िता की मां काम पर गई हुई थी, तब आरोपी ने दस साल की लड़की के साथ चार बार यौन शोषण किया. आरोपी ने न सिर्फ बार-बार उसके साथ रेप किया और उसके गुप्तांगों में पेचकस डाल दिया, बल्कि आरोपी ने इस पूरी हरकत का वीडियो भी बना लिया.

आरोपी ने बच्ची की मां यानि अपनी प्रेमिका पर धारदार हथियार से हमला किया. घटना की जानकारी किसी को देने पर वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी. घटना के 2 दिन बाद पीड़िता ने मेघवाड़ी थाने में शिकायत दर्ज कराई.

मेघवाड़ी पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. मेघवाड़ी पुलिस मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है. घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है.

तीन गुना ज्यादा श्रद्धालु आएंगे

महाकुंभ से पहले नासिक में तैयारियां तेज

नासिक. नासिक और त्र्यंबकेश्वर में 2027 में प्रस्तावित कुंभ मेले को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने तैयारियों को लेकर कमर कस ली है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में अहम बैठक हुई. इसमें नासिक क्षेत्र में सड़क और बुनियादी ढांचे के बड़े विस्तार को मंजूरी दी गई है.

मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर नाशिक और त्र्यंबकेश्वर के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को मजबूत करने की मांग की थी.

इस क्रम में नितिन गडकरी ने संबंधित मंत्रालयों के साथ बैठक कर 8–9 सड़क परियोजनाओं को हरी झंडी दी है. नासिक पहुंचने वाले सभी 6 प्रमुख मार्गों की मरम्मत और चौड़ीकरण का भी फैसला लिया गया है.

राज्य के मंत्री गिरीश महाजन ने जानकारी दी कि इस बार 12 साल पहले के मुकाबले 3 से 4 गुना ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की संभावना है. उन्होंने कहा, 'श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ट्रैफिक, पार्किंग और आपातकालीन सेवाओं की दृष्टि से सड़क नेटवर्क को मजबूत करना आवश्यक है. कुंभ मेला वैश्विक स्तर का आयोजन है और इसे उसी स्तर की तैयारी की जरूरत है.'

बैठक में यह तय हुआ कि नासिक और त्र्यंबकेश्वर को जोड़ने वाले मार्गों को 4 से 6 लेन तक विस्तारित किया जाएगा. खासकर घोटी से त्र्यंबकेश्वर तक के मार्ग पर जोर दिया गया है. इस परियोजना पर करीब 3,700 करोड़ रुपये की लागत आएगी. निर्माण कार्य दो से तीन महीनों में शुरू होने की उम्मीद है.

मुख्यमंत्री फडणवीस की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुंभ मेले के दौरान आवश्यक बुनियादी सुविधाओं और आपातकालीन सेवाओं पर भी चर्चा की गई. राज्य सरकार का लक्ष्य है कि नाशिक कुंभ को धार्मिक भव्यता के साथ-साथ प्रशासनिक कुशलता का उदाहरण भी बनाया जाए.

नितिन गडकरी ने दिये सख्त निर्देश

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सभी संबंधित अधिकारियों को सड़कों के चौड़ीकरण के काम में तेजी लाने और इसे निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं. उनका साफ कहना है कि कुंभ मेले जैसे बड़े धार्मिक आयोजन में सड़कें सुगम और सुरक्षित होनी चाहिए ताकि यातायात बिना रुकावट संचालित हो सके.

आज का राशिफल

मेष. मेष राशि के जातकों आज के दिन धन का आगमन होगा लेकिन खर्च भी बढ़ेंगे। दिन रोमांटिक रहने वाला है। आज किसी भी तरह का लेन-देन करते समय सतर्क रहें।

वृषभ. वृषभ राशि जातक आज के दिन पॉजिटिव रहने की सलाह दी जाती है। सिंगल लोगों की मुलाकात किसी स्पेशल से हो सकती है।

मिथुन. आज मिथुन राशि वाले जातक ईमानदारी बनाएं रखें, जिससे गलतफहमी पैदा नहीं होती। तनाव दूर करने के लिए पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं।

कर्क. आज काम पर फोकस करने की सलाह दी जाती है। आज की एनर्जी को महसूस करें। अपने सपनों की ओर कदम बढ़ाने के लिए तैयार हो जाएं।

सिंह. सिंह राशि वालों आज के दिन फाइनेंशियली आपको कुछ नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है।

कन्या. कन्या राशि वालों आज काफी मोटिवेटेड फील करेंगे। लव लाइफ में नोक-झोक से बचना बेहतर रहेगा। हेल्दी महसूस करेंगे।

तुला. आज के दिन लव के मामले में दिन अच्छा माना जा रहा है। वहीं, हेल्थ पर भी फोकस करने की जरूरत है। आज आप प्रोडक्टिव महसूस कर सकते हैं।

वृश्चिक. आज के दिन वृश्चिक राशि वाले करियर में स्ट्रैटिजी के साथ आगे बढ़ें। अर्थीक स्थिति मजबूत रहने वाली है। आज का दिन काफी लकी रहने वाला है।

धनु. धनु राशि वालों आज के दिन खर्च करते वक्त आपको सावधानी बरतनी जरूरी है। तनाव ज्यादा लेने से बचें। थोड़ा इमोशनल फील कर सकते हैं।

मकर. आज मकर राशि वाले करियर तौर पर मोटिवेटेड और प्रोडक्टिव फील करेंगे। माता पिता के साथ समय बिताना अच्छा रहेगा।

कुंभ. आज कुंभ राशि के जातकों की आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है। तनाव से बचने के लिए स्किन केयर करें। अपनी मेंटल हेल्थ पर ध्यान दें।

मीन. मीन राशि के जातकों आज के दिन अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक डिनर पर जाने का प्लान करें। आज आपको जंक फूड्स से दूरी बनानी चाहिए।

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

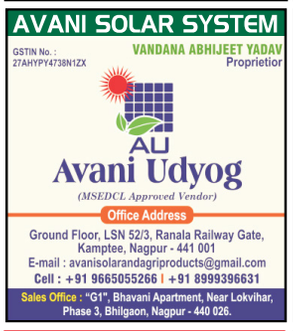

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञान हेतु संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944, 9881272088

मोदी सरकार का अल्पसंख्यक नीति पर फुल फोकस

> शिक्षा से रोज़गार तक दिखा असर

नई दिल्ली.

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल में हर वर्ग और समाज के विकास तथा तरक्की पर फोकस किया गया. पिछले 11 सालों में, केंद्र सरकार ने केंद्रीय स्तर पर अधिसूचित 6 अल्पसंख्यक समुदायों (मुस्लिम, ईसाई, सिख, पारसी, बौद्ध और जैन) के समावेशी विकास को बढ़ावा देने का काम किया है, साथ ही सामाजिक और आर्थिक अंतर को पाटने की दिशा में कई अहम कदम भी उठाए हैं. सरकार ने देश में अल्पसंख्यकों के कल्याण से जुड़ी

कई योजनाएं भी शुरू की.

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम की ओर से 10 मार्च 2025 तक 1,74,148 से अधिक लाभार्थियों को 752.23 करोड़ रुपये की धनराशि वितरित की गई. जबकि 2014-15 में, 431.20 करोड़ रुपये वितरित किए गए. इसी तरह जियो पारसी योजना के जरिए वित्त वर्ष 2024 में 3 करोड़ रुपये जारी किए गए, जिससे शुरुआत से अब तक 400 से अधिक पारसी बच्चों के जन्म में समर्थन दिया जा सका.

प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत 2014-15 से लेकर 2024-25 तक यानी 10 सालों में 18,416 करोड़ रुपये मूल्य की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई.

साथ ही पीएम विकास में 5 योजनाओं का विलय कर दिया गया, जिससे अल्पसंख्यक युवाओं और महिलाओं को कौशल तथा नेतृत्व प्रशिक्षण के जरिए सुचारू रूप से लाभ मिला.

इन सबके अलावा मंत्रालय ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति (डीएसजीएमसी) के सहयोग से सिख भाषायी और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए दिल्ली यूनिवर्सिटी के खालसा कॉलेज में गुरुमुखी लिपि के केंद्र बनाने के लिए 25 करोड़ की सैद्धांतिक मंजूरी दी.

वक्फ संपत्तियों के लिए 'उम्मीद' पोर्टल लॉन्च

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की ओर से मुस्लिम समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 पेश किया गया. इसका मकसद वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और प्रशासन से जुड़ी समस्याओं का समाधान करना है. साथ ही वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को डिजिटलाइज करने और सुधार करने को लेकर उम्मीद नाम से पोर्टल शुरू की गई. पिछले दिनों 6 जून को अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने वक्फ संपत्तियों को रियल टाइम पर अपलोड करने, सत्यापन करने और निगरानी करने के लिए एक केंद्रीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म, उम्मीद सेंट्रल पोर्टल लॉन्च किया गया है.

बम धमाके में जखमी लड़की की मौत

> सीएम ममता बनर्जी ने जताया दुख

कोलकाता.

पश्चिम बंगाल के कालीगंज विधानसभा क्षेत्र में एक देसी बम के फटने से घायल लड़की की मौत हो गई है.

मृतक की उम्र 13 साल की थी. सूबे की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने निधन पर दुख प्रकट किया है और मृतक के परिवार के प्रति संवेदना जाहिर की है. वहीं पुलिस ने जांच शुरू कर दी है कि बम किसने रखा था.

सीएम ममता ने सोसल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा 'मैं कृष्णानगर पुलिस जिले के बारोचंदगर में हुए विस्फोट में एक युवती की मौत से स्तब्ध और बहुत दुखी हू.

दुख की इस घड़ी में मेरी प्रार्थनाएं और संवेदनाएं परिवार के साथ हैं'. इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने ये भी कहा कि पुलिस जल्द से जल्द दोषियों के खिलाफ सख्त और निर्णायक कानूनी कार्रवाई करेगी.

वहीं बंगाल पुलिस ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर लड़की की

मौत की जानकारी दी. पुलिस ने पोस्ट में कहा 'कृष्णानगर पुलिस जिले के कालीगंज थाना क्षेत्र में बम विस्फोट में घायल 13 वर्षीय लड़की की मौत हो गई.

हम घटना के पीछे के दोषियों को पकड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे. इस बेहद दुर्भाग्यपूर्ण मौत के लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी जोरों पर है'. इसके आगे पुलिस ने मृतक के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की.

इस बीच चुनाव आयोग ने इस घटना के बारे में डीएम से रिपोर्ट मांगी है. आरोप तृणमूल कांग्रेस पर हैं. जीत के जश्न में बम की क्या जरूरत थी, यह बड़ा सवाल है.

वहीं ने टीएमसी पर आरोप लगाया है कि अगर टीएमसी के हाथ में रहा तो आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल की आस्था खत्म हो जाएगी.

पटना में ई-ऑफिस यूजर मैनुअल का विमोचन

पटना.

बिहार सरकार ने प्रशासनिक विभाग की कार्यों में गति लाने के मकसद से 'ई-ऑफिस यूजर मैनुअल' का विमोचन किया है. पारदर्शी प्रशासन की दिशा में सरकार का यह बड़ा कदम माना जा रहा है. बिहार सरकार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने मुख्य सचिवालय सभा कक्ष, पुराना सचिवालय, पटना में 'ई-ऑफिस यूजर मैनुअल' का औपचारिक विमोचन किया.

उन्होंने कहा कि 'ई-ऑफिस' प्रणाली एक अनूठा कदम है, जिससे फाइलों का निपटारा तेज़ी के साथ संभव होगा. उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है- प्रशासनिक कार्यों में तकनीक का अधिकतम उपयोग हो और जनता को त्वरित सेवाएं मिलें. उन्होंने आगे कहा कि यह प्रणाली बिहार सरकार की सुशासन की प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगी और सभी विभागों में कार्यकुशलता और जवाबदेही को बढ़ावा देगी.

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग डॉ. बी. राजेन्दर, बीपार्ड की अपर महानिदेशक डॉ. सफीना ए.एन. और सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग श्रीमती रचना पाटिल सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहे. बिहार सरकार लगातार प्रशासनिक सुधारों और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से जनता को बेहतर सेवाएं देने के लिए संकल्पबद्ध है.'ई-ऑफिस' प्रणाली राज्य में सुशासन की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी.

'ई-ऑफिस यूजर मैनुअल' का प्रकाशन राज्य में प्रशासनिक प्रक्रियाओं को और अधिक पारदर्शी, तेज और जिम्मेदार बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इस अवसर पर मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार पारदर्शिता और त्वरित प्रशासनिक प्रक्रिया के लिए निरंतर प्रयासरत है.

ईरान पर अमेरिकी हमले की कांग्रेस ने की आलोचना

> गहलोत बोले– विदेश नीति में कन्फ्यूजन

नई दिल्ली.

22 जून को अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करके दुनिया में टेंशन बढ़ा दी है. इस हमले की दुनिया में निंदा हो रही है. भारत सरकार के रुख पर कांग्रेस ने सवाल उठाते हुए नाराजगी जाहिर की है. कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा, "कांग्रेस ने हमेशा आजादी से पहले भी क्रांतिकारी कदम उठाए हैं. जब आजादी मिली उसके बाद भी क्रांतिकारी कदम उठाए, देश को सोच दी.आज देखिए दुनिया में क्या हो रहा है? ईरान और इजराइल का युद्ध हो रहा है, जिसमें अमेरिका भी अचानक से मैदान में आ जाता है और भारत कुछ बोल नहीं पा रहा."

अशोक गहलोत ने आगे कहा, "इंदिरा गांधी के कार्यकाल में गुटनिरपेक्ष

आंदोलन शुरू हुआ था. आज सरकार की विदेश नीति ऐसी है कि वो लोगों को समझ नहीं आ रही. ऑपरेशन सिंदूर के समय कोई देश हमारे साथ क्यों नहीं आया? पाकिस्तान के साथ में दो-तीन मुल्क हो गए. हमारा मित्र रूस भी चुप हो गया. हमारे देश की अलग पहचान है. हमारी जिम्मेदारी है कि हम उसे निभाएं. दुनिया के दूसरे देश देख रहे होंगे की भारत क्या कहता है? उस वक्त अगर हमारे देश की विदेश नीति कन्फूस्ड हो जाए तो कितने दुर्भाग्य की बात है. आज भी देश को कांग्रेस की नीतियों और कांग्रेस की जरूरत है. आज जरूरत है कि देश कैसे एक रहे."

वहीं, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि हमें ईरान के साथ खड़ा होना चाहिए. ईरान हमारा पुराना दोस्त है. हमारे ईरान के साथ व्यापारिक और सांस्कृतिक रिश्ते हैं. ईरान की जड़े हिंदुस्तान से हैं. इसलिए हमें ईरान के साथ मजबूती से खड़ा होना चाहिए. ईरान ने हमेशा हर तरह से हमारा साथ दिया है. इसलिए हमें इस मुश्किल वक्त में ईरान के साथ खड़ा होना चाहिए.

इमरान मसूद ने आगे कहा कि ईरान ने हमला नहीं किया, ईरान के ऊपर हमला हुआ है. जब ईरान ने कहा था कि सभी न्यूक्लियर कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की निगरानी में हैं आप आकर जांच कर लें. इसके बावजूद अगर हमला किया जा रहा है तो यह पूरी तरह से दादागिरी है. इस दादागिरी के खिलाफ सभी को एकजुट होकर जवाब देना चाहिए. ईरान हमेशा हमारे बुरे वक्त में हमारे साथ रहा है तो हमें ईरान के साथ मजबूती के साथ खड़ा होना चाहिए. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया के जरिए ईरान पर हमले की जानकारी दी. चारों तरफ इस हमले की निंदा हुई. इसको लेकर विपक्षी पार्टियों ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं.

हमले से पहले पाक आतंकियों को दी थी पनाह

> एनआईए ने पकड़े दो आरोपी

अनंतनाग.

पहलगाम आतंकी हमले के 2 महीनों बाद एनआईए को जांच में बड़ी कामयाबी मिली है, जिसके बाद एनआईए ने ये क्लियर कर दिया है कि विदेशी आतंकियों का ही नहीं बल्कि स्थानीय लोगों का भी हाथ था. बीती दिन एनआईए ने पहलगाम के रहने वाले आतंकियों के दो मददगारों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने हमले से पहले तीन पाकिस्तानी आतंकियों के लिए खाने, रहने की जगह की व्यवस्था की थी. इसके अलावा, रैकी में मदद भी की थी.एनआईए की जांच के बाद ये साफ जाहिर हो गया कि पहलगाम नरसंहार में विदेशी आतंकियों के साथ-साथ स्थानीय लोगों का भी हाथ था. गिरफ्तार किए गए आरोपियों में परवेज अहमद और बशीर अहमद को आज एनआईए कोर्ट में पेश किया गया. इन दोनों को एनआईए कोर्ट में लाया गया है. एनआईए ने बताया, इन दोनों लोगों को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया है.

22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकियों ने पहलगाम में 26 निर्दोष टूरिस्टों की निर्मम हत्या कर दी थी और 16 अन्य लोगों को गंभीर रूप सो घायल कर दिया था. इस हमले में धार्मिक पहचान को आधार बानाकर चुन-चुनकर हत्याएं की गईं थीं.

पकड़े गए 2 स्थानीय लोगों से पूछताछ के ज़रिए एनआईए आतंकी हमले के उन दोषियों तक पहुंच सकती है, जो अभी तक गिरफ्त में नहीं आए हैं. इस हमले के दोषियों की गिरफ्तारी को लेकर जांच ऐजंसियों की जांच जारी है. जांच एजेंसियों ने हमले के बाद संदिग्धों के स्कैच भी जारी किए थे.

आतंकवादियों पर ईनाम की राशि भी घोषित की गई. इस हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की, जिसमें पाकिस्तान में आतंकवादी कैंपों कोनिशाना बनाया गया. एनआईए की आगे की जांच जारी है.

ईरान के ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक का शक

> 6 गड्ढों में दफन है तबाही का सबूत

वाशिंगटन.

अमरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है. इस बड़े हमले के बाद परमाणु साइट्स पर तबाही देखने को मिली है. हमले की जानकारी 22 जून की सुबह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी और अपने सैनिकों की तारीफ की. साथ ही साथ कहा कि ऐसा दुनिया में कोई नहीं कर सकता है. अमेरिका ने अपने हमले में फोर्डो, नतांज और इस्फहान परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया. इस बीच फोर्डो परमाणु प्लांट पर हमले की सैटेलाइट तस्वीरें सामने आई हैं.

कॉमर्शियल सैटेलाइट इमेजरी से पता नहीं चल सका है कि ईरान का फोर्डो परमाणु प्लांट जमीन के अंदर पूरी तरह तबाह हुआ भी है या नहीं. दरअसल, अमेरिका दावा कर रहा है कि प्लांट को नष्ट कर दिया गया है. एक पूर्व यूएन परमाणु निरीक्षक डेविड अलब्राइट ने मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर बंकर-बस्टिंग बमों का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका ने बमों के जरिए प्लांट को छेद दिया. मैं उम्मीद करता हूं कि प्लांट को नुकसान पहुंचा होगा. विड अलब्राइट विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा संस्थान के भी प्रमुख हैं.वहीं, सीएनए कॉरपोरेशन के सहयोगी शोधकर्ता डेकर एवेलेथ, जो सैटेलाइट इमेजरी में विशेषज्ञ हैं ने बताया कि जमीन के अंदर तबाही की पुष्टि नहीं की जा सकी. उन्होंने कहा कि सैकड़ों सेंट्रीफ्यूज वाला हॉल बहुत गहराई में दबा हुआ है, इसलिए सैटेलाइट इमेजरी के आधार पर नुकसान के स्तर का आकलन करना हमारे लिए संभव नहीं है.ईरान का फोर्डो परमाणु प्लांट पहाड़ों के बीच में है, जोकि जमीन के अंदर बना हुआ है. सैटेलाइट इमेज में छह छेद दिखाई देते हैं, जहां बंकर-बस्टिंग बम पहाड़ में घुस गए. हालांकि जमीन पर के ऊपर तबाही तो दिखती है और पूरा इलाका धूल से ढका हुआ है.

कई विशेषज्ञों ने ये भी आगाह किया कि ईरान हमले से पहले संभवत वेपन-ग्रेड के उच्च संवर्धित यूरेनियम का भंडार फोर्डो से बाहर ले गया होगा और उसे ऐसे स्थानों पर छिपाया होगा जिनके बारे में इजराइल, अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निरीक्षकों को जानकारी नहीं है. विशेषज्ञों ने मैक्सार टेक्नोलॉजीज की सैटेलाइट इमेजर देखी हैं, जिसमें गुरुवार और शुक्रवार को फोर्डो में "असामान्य गतिविधि" दिखाई दी थी.

अगले महीने दिल्ली में होगी आरएसएस की प्रांत-प्रचारक बैठक

नई दिल्ली.

राष्ट्रीय संघ की हर साल होने वाली अखिल भारतीय स्तर की प्रांत प्रचारक बैठक अगले महीने दिल्ली में आयोजित की जाएगी. अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि 3 दिन चलने वाले प्रांत प्रचारक बैठक में संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले समेत संघ से जुड़े कई शीर्ष अधिकारी भी बैठक में शामिल होंगे.

आरएसएस की सालाना अखिल भारतीय स्तर की प्रांत प्रचारक बैठक इस साल 4 जुलाई (विक्रम संवत् 2082, आषाढ़ शुक्ल) से शुरू होगी जो 3 दिन चलेगी. यह बैठक राष्ट्रीय

राजधानी दिल्ली में आयोजित हो रही है. बैठक दिल्ली के केशवकुंज संघ कार्यालय में आयोजित की जाएगी.

अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के अनुसार, बैठक में देशभर के सभी प्रांत प्रचारक, सह प्रांत प्रचारक और क्षेत्र प्रचारक के साथ-साथ सह क्षेत्र प्रचारक भी बैठक में उपस्थित रहेंगे. संघ की संगठन रचना में कुल 11 क्षेत्र और 46 प्रांत बनाए गए हैं. उन्होंने बताया कि इस सालाना बैठक में संघ से जुड़ी कई अलग-अलग संगठनों के अखिल भारतीय संगठन मंत्री भी शामिल होंगे.आंबेकर ने कहा कि पिछले मार्च में हुई अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा बैठक के बाद देशभर में अप्रैल, मई और जून महीने में संघ के अलग-अलग स्तरों के प्रशिक्षण वर्ग पूरा होने के बाद आगामी योजना के क्रियान्वयन की रूपरेखा की दृष्टि से यह बैठक अहम मानी जाती है.

बैठक में शामिल होने को लेकर सुनील आंबेकर ने कहा, "सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सभी सह सरकार्यवाह डॉक्टर कृष्णगोपाल, सीआर मुकुंद, अरुण कुमार, रामदत्त, आलोक कुमार और अतुल लिमये समेत अखिल भारतीय कार्य विभाग के सभी प्रमुख, सह प्रमुख और कार्यकारिणी के सदस्य बैठक में भाग लेने वाले हैं. बैठक में शामिल होने के लिए संघ प्रमुख भागवत इसी महीने के अंत में यानी 28 जून को ही दिल्ली में आ जाएंगे.

उपचुनाव में 'आप' को संजीवनी

>ममता ने फिर दिखाया दम

कोलकाता.

देश के चार राज्यों की पांच विधानसभा सीट के उपचुनाव के नतीजे आ गए हैं. गुजरात की दो सीटों के अलावा केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल की एक-एक सीट पर उपचुनाव हुए हैं. आम आदमी पार्टी पंजाब में अपना किला बचाए रखते हुए गुजरात की अपनी सीटें भी बचाए रखने में सफल रही है.

पश्चिम बंगाल में टीएमसी अपने दुर्ग को बचाए रखा, तो केरल में कांग्रेस ने वाममोर्चा को मात देकर 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए बड़ा सियासी संदेश दिया है. गुजरात में बीजेपी को एक सीट से ही संतोष करना पड़ा है.

बंगाल में टीएमसी का वर्चस्व कायम

पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीट पर उपचुनाव टीएमसी के विधायक रहे नसीरुद्दीन अहमद के निधन के चलते हुए हैं. टीएमसी से नसीरुद्दीन अहमद की बेटी अलीफा अहमद मैदान में थी. बीजेपी से आशीष घोष और कांग्रेस से काबिल उद्दीन शेख मैदान में हैं. लेफ्ट खुद चुनाव लड़ने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी को समर्थन कर रही है. अलीफा ने भारी मतों से जीत दर्ज की है, जबकि दूसरे नंबर पर बीजेपी के आशीष घोष रहे. एक बार फिर से कांग्रेस और लेफ्ट की सियासी केमिस्ट्री काम नहीं आ सकी है. मुस्लिमों का बड़ा तबका टीएमसी के साथ खड़ा नजर आया

गुजरात की विसावदर और कदी विधानसभा सीट पर उपचुनाव हुए हैं, तो पंजाब की लुधियाना पश्चिम, पश्चिम बंगाल की कालीगंज और केरल की नीलांबुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव हुए हैं. इन उपचुनाव को राज्यों के आगामी विधानसभा चुनाव का एक तरह से लिटमस टेस्ट माना जा रहा था. ऐसे में आम आदमी पार्टी दो सीटें, बीजेपी एक सीट, कांग्रेस एक सीट और टीएमसी एक सीट जीतने में कामयाब रही.

पंजाब की लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर उपचुनाव आम आदमी पार्टी के विधायक रहे गुरप्रीत बस्सी गोगी के निधन की वजह हुए थे.

आप ने अपने राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को उतारा था, जिनके सामने कांग्रेस के दो बार के विधायक रहे भारत भूषण आशु, अकाली दल से एडवोकेट उपकार सिंह घुम्मन और बीजेपी से जीवन गुप्ता मैदान में किस्मत आजमा रहे थे.

संजीव अरोड़ा ने भारी मतों से उपचुनाव जीतकर आम आदमी पार्टी के सियासी दबदबे को बरकार रखा.

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, मंगलवार, 24 जून 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

स्वस्थ, सक्षम और स्वाभिमानी युवा की ओर कदम

विधायक किशोर जोरगेवार ने बानीवाला व्यायामशाला का किया शिलान्यास

चंद्रपुर.

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में युवाओं का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बहुत जरूरी होता जा रहा है। ऐसे समय में अगर उन्हें उचित व्यायाम, उचित मार्गदर्शन और प्रेरणादायी माहौल मिले तो युवा किसी भी क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकते हैं।

आज हम व्यायामशाला के शिलान्यास के लिए एक साथ आए हैं, यह सिर्फ एक इमारत नहीं है, यह एक अनुशासित कार्यशाला होगी जो चंद्रपुर के युवाओं का निर्माण करेगी। विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा कि यह व्यायामशाला फिट, मजबूत और स्वाभिमानी युवाओं के निर्माण का एक मजबूत मंच होगा।

दादमहल वार्ड में बानीवाला व्यायामशाला के निर्माण के लिए विधायक किशोर जोरगेवार ने 50 लाख रुपये की निधि प्रदान की है। इस कार्य का शिलान्यास शनिवार को उनके द्वारा किया गया।

वे इस कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी महानगर अध्यक्ष सुभाष कासंगोट्टुवार, प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य तुषार सोम, अजय वैरागड़े, रशीद हुसैन, बशीर पठान, श्याम धोपटे, किरने ठाकरे, शेखर शेट्टी, नाहिद हुसैन, करणसिंह बैस सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

विधायक जोरगेवार ने आगे बोलते हुए कहा कि हम हर साल माता महाकाली राज्य स्तरीय बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता का आयोजन कर रहे हैं। यह प्रतियोगिता चंद्रपुर ही नहीं, बल्कि पूरे महाराष्ट्र में अपनी पहचान बना रही है। इस परंपरा को जारी रखने और चंद्रपुर से नए बॉडी बिल्डर तैयार करने के लिए एक सर्वसुविधायुक्त नई व्यायामशाला का निर्माण करना जरूरी है। विकास सिर्फ सड़क या इमारतों से नहीं होता। अगर हमारे युवाओं को सही तरीके से पाला जाए, उन्हें सही दिशा दी जाए, तो पूरा समाज खड़ा होता है।

इसलिए इस व्यायामशाला का काम सिर्फ सरकारी नहीं बल्कि सामाजिक संकल्प है, उन्होंने यह भी बताया। हमने पिछले कुछ सालों में चंद्रपुर निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए ईमानदारी से प्रयास किया है। हमने सामुदायिक भवन, चिकित्सकों का नेटवर्क और व्यायामशालाओं पर विशेष ध्यान दिया है। विधायक जोरगेवार ने कहा कि इससे युवा पीढ़ी तैयार होगी और समाज कल्याण के कार्य हमारी प्राथमिकता है। बनिवाला व्यायामशाला सिर्फ एक इमारत या सरकारी योजना नहीं है। यह हमारे क्षेत्र के युवाओं के आत्मविश्वास और स्वास्थ्य निर्धारण का स्थान बनेगा। उन्होंने कहा कि आज जो आधारशिला रखी जा रही है, उससे हमारे क्षेत्र के कई युवाओं को शारीरिक रूप से स्वस्थ, सक्षम बनने और कल देश की सेवा के लिए अपनी शारीरिक और मानसिक शक्ति साबित करने की प्रेरणा मिलेगी। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और युवा शामिल हुए।

आगामी चुनावों के लिए ओबीसी को एकजुट होना चाहिए : हेमंत पाटिल

चंद्रपुर.

राज्य में पिछले कुछ समय से अटके स्थानीय निकाय चुनावों का रास्ता अब साफ हो गया है। इंडिया अगेंस्ट करप्शन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और ओबीसी नेता हेमंत पाटिल ने रविवार (22) को अपील की कि राज्य में ओबीसी और वंचित वर्गों के लिए लड़ने वाले संगठनों और दलों को एक साथ आकर चुनाव लड़ना चाहिए। ओबीसी एकता की अपील करते हुए पाटिल ने स्थानीय निकाय चुनावों में नई भागीदारी और नई उम्मीदें जताईं। ओबीसी समुदाय के साथ-साथ राज्य के वंचित और पिछड़े वर्गों को इस साल के स्थानीय चुनावों में सक्षमता से अपना नेतृत्व प्रस्तुत करना चाहिए। पाटिल ने स्पष्ट किया कि यह अपील किसी राजनीतिक दल या सरकार के खिलाफ नहीं है, बल्कि समाज के हित में सकारात्मक भूमिका निभाने वाले नेतृत्व की आवश्यकता को देखते हुए की गई है। राज्य में ओबीसी समुदाय की आबादी 50 प्रतिशत से अधिक है। लेकिन विधानसभा से लेकर स्थानीय स्वशासन निकाय स्तर तक उनका राजनीतिक प्रतिनिधित्व अपेक्षाकृत कम है। पाटिल ने कहा कि इस तस्वीर को बदलने के लिए समाज के विभिन्न वर्गों को एकजुट होने की जरूरत है। विचारधारा पर आधारित, पारदर्शी और लोगों के मुद्दों के प्रति प्रतिबद्ध नेतृत्व सामने आना चाहिए। पाटिल ने अपील की कि समाज को अब सिर्फ वोट देने के बारे में नहीं, बल्कि मजबूत नेतृत्व तैयार करने की दिशा में भी सोचना चाहिए। राज्य में वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति भी बदल रही है। विभिन्न दल स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने की संभावना तलाश रहे हैं। ऐसे में अगर ओबीसी नेतृत्व एकजुट होकर स्वतंत्र गठबंधन बनाता है तो नया राजनीतिक समीकरण बनेगा। पाटिल ने कहा कि यह आने वाले समय में ओबीसी के राजनीतिक एकीकरण की दिशा तय करने के लिए एक अपील है।

देश के नागरिकों को स्वस्थ रहने के लिए योग बहुत जरूरी है

चंद्रपुर.

महानगर एवं महिला पतंजलि योग समिति महाराष्ट्र पूर्व चंद्रपुर द्वारा 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस महेश भवन तुकुम में 700 योग बहनों की उपस्थिति में उत्साह के साथ मनाया गया. मोदी सरकार के सफल 11 वर्ष पूरे होने पर महेश भवन तुकुम में "संकल्प से सिद्धि" के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। विश्व योग दिवस कार्यक्रम के अध्यक्ष चंद्रपुर जिले के लोकप्रिय विधायक किशोरभाऊ जोरगेवार ने अपने भाषण में योग दिवस का महत्व बताते हुए योग शिविरों की श्रृंखला लागू करने की घोषणा की तथा महिला पतंजलि को योग भवन प्रदान कर परम पूज्य स्वामी रामदेव बाबा को चंद्रपुर शहर में आमंत्रित करने की बात कही। साथ ही चंद्रपुर जिले के यशस्वी पालकमंत्री माननीय डॉ. प्रो. अशोकजी उइके ने योग दिवस के बारे में जानकारी दी तथा योग में उनका योगदान सदैव बना रहेगा, ऐसा आश्वासन देते हुए शुभकामनाएं दी। चंद्रपुर महानगर जिले के नवनियुक्त भाजपा शहर अध्यक्ष माननीय सुभाषभाऊ कासंगोट्टुवार एवं उनकी धर्मपत्नी मंजूश्री कासंगोट्टुवार का अभिनंदन किया गया। भारतीय जनता पार्टी के माध्यम से चंद्रपुर शहर में 24 स्थानों पर योग दिवस का आयोजन किया गया। माननीय जोरगेवार भाऊ के नेतृत्व में सुभाषभाऊ ने महिला पतंजलि योग समिति के साथ सहयोग कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने में अपना अमूल्य सहयोग दिया। कार्यक्रम में महिला पतंजलि की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य स्मिताताई रेभांकर एवं जिला प्रभारी नसरीन शेख का सम्मान किया गया। 21 जून को आयुष मंत्रालय के प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए परिचय, नृत्य, स्वागत गान एवं वर्ष भर निशुल्क योग सेवा प्रदान करने वाले योग शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में महिला पतंजलि की जिला एवं तालुका प्रभारियों के साथ-साथ योग शिक्षक, योग साधक एवं कर्मठ कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी के सहयोग से कार्यक्रम उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन जिला प्रभारी नसरीन शेख एवं प्रतिभा रोकड़े ने किया। कार्यक्रम का समापन शांतिपाठ एवं आभार ज्ञापन के साथ हुआ।

स्वतंत्रता सेनानियों को मान्यता मिलने पर भावुक हुआ सम्मान समारोह

चंद्रपुर.

> सुधीरभाऊ न होते तो हमारा संघर्ष भुला दिया जाता; स्वतंत्रता सेनानियों का भावुक उद्गार

> मानदेय में वृद्धि के बाद सेनानियों की आंखों में खुशी के आंसू, तालियों की गड़गड़ाहट के बीच आभार व्यक्त किया

हम बार-बार प्रयास कर रहे थे, लेकिन किसी ने हमारी सुध नहीं ली... इसलिए हमारा संघर्ष भुला दिया गया... लेकिन सुधीरभाऊ ने हमारी बात सुनी, हमारा दर्द समझा और विधानसभा में उस आवाज को उठाया। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की और बयान दिया। आज हमारे संघर्ष को सरकार की ओर से मान्यता मिली है, जिससे अधूरेपन का अहसास पूरा हो गया है।' ऐसे भावुक शब्दों में स्वतंत्रता सेनानियों ने पूर्व वन, सांस्कृतिक मामले और मत्स्य पालन मंत्री विधायक सुधीर मुनगंटीवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा। चंद्रपुर के जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित एक मार्मिक बैठक में सेनानियों ने सुधीर मुनगंटीवार का अभिनंदन किया। कैबिनेट की बैठक में 20 हजार रुपए मानदेय के संबंध में निर्णय लिए जाने के बाद सेनानियों की आंखों में संतोष के आंसू छलक आए। एक सेनानी ने कहा, 'सुधीरभाऊ ने हमेशा गरीबों और वंचितों के लिए आवाज उठाई है। उनके प्रयासों के कारण ही हमारी मांगें सरकार तक पहुंचीं और राज्य भर के 4,103 लोकतंत्र सेनानियों को न्याय मिला। आज मुझे संतोष है कि सुधीरभाऊ के कारण हमारा संघर्ष व्यर्थ नहीं गया।' इस अवसर पर सुधीर मुनगंटीवार ने कहा, "मैंने केवल अपना कर्तव्य निभाया। आपकी लड़ाई देश के लिए थी, इसलिए यह मेरी वैचारिक जिम्मेदारी थी कि राज्य सरकार आपका सम्मान करे। बाकी मांगों के लिए भी मैं आपके साथ खड़ा रहूंगा।" इस घोषणा के बाद उपस्थित सेनानियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच सुधीर भाऊ का आभार जताते हुए अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

योग से विश्व-शांति और स्वास्थ्य का संदेश

चंद्रपुर.

यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि योग का अभ्यास पूरी दुनिया में एक ही समय में किया जाता है और चंद्रपुर जैसा हमारा जिला भी इसमें भाग ले रहा है। विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा कि एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य की अवधारणा पर आधारित यह कार्यक्रम न केवल शारीरिक कल्याण के लिए है , बल्कि यह मानव एकता और सामूहिक स्वास्थ्य जागरूकता का भी प्रतीक है। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग नृत्य परिवार ट्रस्ट , चंद्रपुर के मुख्यालय में एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य, वसुधैव कुटुंबकम और स्वयं के लिए फिटनेस की अवधारणाओं पर आधारित एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। वह इसी कार्यक्रम में बोल रहे थे. राजुरा विधान सभा के विधायक देवराव भोंगले, भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष सुभाष कासनगोट्टुवार , योग नृत्य परिवार के संस्थापक अध्यक्ष गोपाल मुंधड़ा , भारतीय जनता पार्टी के राज्य विशेष आमंत्रित सदस्य तुषार सोम , योग नृत्य परिवार के जिला अध्यक्ष सुरेश घोडके , जिला महिला प्रभारी किशोरी विरुडकर , प्रमोद बाविस्कर , हरिदास नागपुरे , विजय घोनमोडे , सरिता बाविस्कर , आकाश घोड़मारे , दिलीप पुण्य इस अवसर पर पवार , जीतू शरबारे , प्रशांत कट्टुलवार, जीतेंद्र इजगिलवार , नरसु पोलसावर , आशीष झा , अशोक पडगिलवार आदि उपस्थित थे. विधायक जोरगेवार ने आगे बोलते हुए कहा , "चंद्रपुर से विश्व में स्वास्थ्य का संदेश फैलाने वाली इस पहल में भाग लेकर मुझे सभी प्रतिभागियों की भावनाओं का पता चला। सभी ने योग आसन करके अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने का संकल्प लिया। योग हमारे भारत की प्राचीन परंपरा है। यह केवल व्यायाम का एक रूप नहीं है , बल्कि एक संपूर्ण जीवन शैली है जो मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन बनाती है। आज के समय में , जब तनाव , बेचैनी और असंतोष दुनिया को घेर रहे हैं , योग आंतरिक शांति और अच्छे स्वास्थ्य का सच्चा मार्ग है।" वसुधैव कुटुम्बकम हमारी भारतीय संस्कृति की शिक्षा है। और फिटनेस की यह अवधारणा अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण है। हर किसी को अपने स्वास्थ्य की जिम्मेदारी खुद लेनी चाहिए। अगर हम खुद स्वस्थ रहेंगे, तो ही हमारा परिवार , हमारा समाज और हमारा देश स्वस्थ रहेगा। आज आपके चेहरों पर दिख रही खुशी, एकाग्रता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रवैये ने मुझे प्रेरित किया। हमने प्रत्येक वार्ड में योग समूह को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई है। अगले चरण में योग के लिए अलग से शेड बनाने का भी हमारा संकल्प है , ऐसा भी विधायक जोरगेवार ने इस अवसर पर कहा। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में योग साधक उपस्थित थे।

विश्व योग दिवस पर परिवर्तन योग नृत्य परिवार का स्तुत्य उपक्रम

चंद्रपुर.

दुनिया के करीबन 170 देश में विश्व योग दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाई जाती है. साल भर में यह दिन सबसे बड़ा होता है इसलिए इस दिन का चयन किया गया है. इसमें हमारे विश्व नेता आदरणीय नरेंद्र मोदी जी का बहुत बड़ा योगदान है. चंद्रपुर में योग तथा योग नृत्य बहुत ही अच्छे ढंग से चल रहे हैं. महानगरपालिका के तरफ से 70 योग तथा योग नृत्य शिविरे लगाये गये थे. लेकिन नियमित कार्यक्रम ना होने से अधिकतर शिविर कक्षा के रूप में रूपांतरित नहीं हो सकी. परिवर्तन योग नृत्य परिवार ने चंद्रपुर में अनेक जगहों पर योग नृत्य का नियमित अभ्यास तथा कक्षा शुरू रखे हुए हैं. विश्व योग दिवस के उपलक्ष में परिवर्तन के अध्यक्ष शशि मस्के ने आजाद बगीचे में एक बहुत ही भव्य और दिव्य कार्यक्रम लिया. इस कार्यक्रम में हृदय रोग तज्ञ डॉक्टर वसलवार सर, ऑय ट्रांसप्लांट मल्टीपर्पस समिति के अध्यक्ष डॉक्टर स्वपन कुमार दास ने अतिथि के तौर पर अपना मार्गदर्शन किया. योग नृत्य केवल 20 मिनट किया तो भी आदमी पूरा स्वस्थ रह सकता है, वही प्राणायाम करने के लिए करीबन एक से डेढ़ घंटे का समय लगता है. आजकल के व्यस्त समय सारणी में लोग एक से डेढ़ घंटा नहीं निकाल पाते इसलिए अनेक लोग योग नृत्य की तरफ मुड रहे हैं. आनंद के साथ, मजे के साथ, डांस करते हुए लोग इसके लुत्फ़ उठाते है. आज के कार्यक्रम में भूतपूर्व नगर सेवक श्री रवि गुरनुले श्री निंबालकर आदि ने अथक परिश्रम किया. चाय नाश्ते के बाद कार्यक्रम की समाप्ति की गई.

सुविचार

सोच का ही फ़र्क होता है, वरना समस्याएं आपको कमजोर नही बल्कि मज़बूत बनाने आती हैं...

संपादकीय

ईरान-इजराइल टकराव

इजराइल और ईरान के बीच का टकराव बढ़ता ही जा रहा है। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले तेज करने की चेतावनी दी है। अमेरिका ने भले लड़ाई में शामिल होने का निर्णय लेने के लिए दो हफ्ते का समय तय किया हो, लेकिन उसकी तरफ से ऐसी कोई पहल नहीं हो रही, जिससे लगे कि वह संघर्ष टालना चाहता है। इजराइल का कहना है कि वह लक्ष्य हासिल होने तक नहीं रुकेगा, लेकिन क्या ऐसा संभव है? एटमी खतरा। अमेरिका और इजराइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा। इजराइल ने इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर हवाई हमले शुरू किए थे। लेकिन, इस लक्ष्य को लेकर सबसे बड़ा संदेह इसलिए है कि क्या वाकई ईरान एटमी पावर बनने के करीब है, क्योंकि पश्चिम के ही कई जानकारों को ऐसा नहीं लगता। सत्ता में बदलाव। इजराइल चाहता है कि ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डॉनल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा। यह कैसे कहा जा सकता है कि नई सत्ता को न्यूक्लियर ताकत बनने में कोई दिलचस्पी नहीं होगी, वह भी जब उसके पास अमेरिका और इजराइल के हिसाब से जरूरी साधन मौजूद हैं। कट्टरता बढ़ेगी। हवाई हमलों से या जमीन पर सीधी लड़ाई लड़कर भी इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म किया जा सकता है, उस तकनीकी ज्ञान को नहीं, जो ईरानी वैज्ञानिकों ने बरसों की मेहनत से हासिल की है। ऐसे में विदेशी दबाव में हुआ बदलाव अगर ईरान को और ज्यादा कट्टरता की ओर ले गया, तो अमेरिका या इजराइल के पास क्या जवाब होगा? हकीकत में यह काम ईरानी जनता पर छोड़ना चाहिए, बदलाव की मांग वहां से उठनी चाहिए। पुराने सबक। इराक, लीबिया, सीरिया - कई उदाहरण हैं, जहां पश्चिमी ताकतों ने अपने हिसाब से बदलाव लाने का प्रयास किया। इनमें से कहीं भी नतीजा मन-मुताबिक नहीं रहा। ये देश आज भी अस्थिर हैं। तेहरान को लेकर कोई भी दुस्साहस ईरान को भी इन्हीं मुल्कों की श्रेणी में ला सकता है। एकमात्र रास्ता। इस संघर्ष में अब भी कुछ सकारात्मक बातें हैं - अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची का कहना है कि कोई भी बातचीत इजराइली हमले रुकने के बाद होगी। इस संकट को टालने का यही एकमात्र तरीका भी है - बातचीत।

विश्व की कूटनीति/राजनीति और रणनीति इस युद्ध के बहाने...

अमेरिका के बीच में कूदने से अब लगता है कि ईरान और इजराइल का युद्ध लंबा खिंचेगा। ज़ाहिर है कि इस गैर जरूरी युद्ध का खामियाजा पूरी दुनिया भुगतेगी। हमारे अपने मुल्क के समक्ष भी अनेक संकट उठ खड़े होंगे मगर न जाने क्यों तमाम आशंकाओं से दूर भारतीय मीडिया इस युद्ध की केवल सनसनीखेज रिपोर्टिंग ही कर रहा है और उधर देश का बुद्धिजीवी वर्ग भी किसी गंभीर विमर्श की बजाए केवल चटकारे ले रहा है। भारतीय परिपेक्ष्य में इस युद्ध का दुखद पहलू यह भी है कि इसे केवल सांप्रदायिक चश्मे से देखा जा रहा है और हमारी पक्षधरता का पैमाना भी यही होकर रह गया है। इजराइल द्वारा ईरान पर दस दिन पूर्व शुरू किए गए हमले और फिर ईरान द्वारा लगातार की जा रही जवाबी कार्रवाई पर भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया साफ तौर पर इजरायल के पक्ष में खड़ा दिख रहा है। हालांकि प्रिंट मीडिया की रिपोर्टिंग कमोवेश संतुलित है मगर फिर भी इजराइल के प्रति उसकी नरमी भी साफ झलकती है। बेशक ऐसा कोई सर्वे नहीं हुआ है मगर कुछ खबरें बता रही हैं कि मीडिया का सत्तर फीसदी झुकाव इजराइल की ओर है। इसका कारण शायद यह भी है कि भारतीय मीडिया जगत ईरान को इस्लामिक कट्टरता से जोड़ कर देखता है और यही कारण है कि अपने कथित राष्ट्रवादियों का समर्थन पाने को उसने यह रुख अपनाया है। आमतौर पर भी यही माना जा रहा है कि भारतीय मुस्लिम और उनमें भी शिया समुदाय के लोग खम ठोक कर ईरान के साथ खड़े हैं। ऐसे में कथित हिंदू पक्षधरता से खुद को जोड़ कर दिखाने का एकमात्र तरीका ईरान का विरोध और इजराइल का समर्थन ही है। सोशल मीडिया भी साफ तौर पर दो धड़ों में बंटा हुआ है और जो इजरायल समर्थक है वे ईरान को खलनायक बता रहे हैं और जिन्हें ईरान सही लगता है वे इजराइल को मानवता विरोधी करार दे रहे हैं। भारतीय संदर्भों में कहीं इस युद्ध पर बात ही नहीं हो रही।

कोई नहीं कह रहा कि युद्ध लंबा खिंचा तो भारत में पेट्रोलियम पदार्थों की कितनी कमी हो जाएगी अथवा उसके लिए हमें कितनी ऊंची कीमत चुकानी पड़ेगी? युद्ध समाप्त नहीं हुआ तो ईरान के बंदरगाह चाबहार जिस पर भारत ने भी 47 हजार करोड़ रुपया निवेश किया हुआ है, खतरे में पड़ जाएगा। यही वह पोर्ट है जो भारत के लिए रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट के जवाब में मध्य एशिया और यूरोप तक वैकल्पिक व्यापार मार्ग प्रदान करता है। मगर यह चर्चा भी गायब है। कोई नहीं बता रहा कि ईरान से हमारी ऐतिहासिक और आर्थिक संबंधों की कड़ियां कितनी पुरानी है और कश्मीर पर उसके पाकिस्तान समर्थक बयानों को छोड़ दें तो वह सदैव भारत का विश्वसनीय मित्र और क्षेत्रीय सहयोगी देश रहा है। बेशक आज इजराइल भी हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

साल 1971 की लड़ाई और ऑपरेशन सिंदूर के समय उसने सच्चे दोस्त का फर्ज भी निभाया है। दुनिया ने भी माना है कि सैन्य सहयोग और आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में इजराइल ही हमारा सबसे अधिक विश्वसनीय मित्र देश साबित हुआ है मगर फिर भी किसी भी सूरत ईरान के विकल्प के तौर पर तो उसे नहीं देखा जा सकता। सच्चाई तो यही है कि जहां ऊर्जा संसाधनों, क्षेत्रीय संतुलन और परिवहन हेतु हमें ईरान का साथ चाहिए वहीं सैन्य व कृषि तकनीक और विश्वसनीय सहयोगी के तौर पर हम इजराइल को किसी भी सूरत खोना नहीं चाहेंगे।

शायद कारण है कि भारत सरकार भी किसी एक की गोद में बैठने की बजाय शांति और संयम की बात बार बार कर रही है। मगर पता नहीं क्यों भारतीय मीडिया जगत और हमारे जन मानस को यह पसंद नहीं आ रहा। तभी तो इस युद्ध के बहाने अपने कथित खलनायकों को निपटाने का खेल मुल्क में शुरू हो गया है। ईरान का मतलब इस्लामिक कट्टरता और इजराइल का मतलब लगभग हिंदुओं जैसे यहूदियों का लोकतांत्रिक इजरायल। साफ दिख रहा है कि यदि इसी चश्मे से हम इस युद्ध को देखेंगे तो यकीनन घाटे में ही रहेंगे। यूं भी इस युद्ध में हमारे हिस्से घाटा ही घाटा तो आना है। लड़ाई ईरान जीते अथवा इजराइल, निष्पक्ष धारा के चलते हमें तो दोनों मित्र देशों की नाराजगी मोल लेनी है।

> ललित अरोड़ा, दिल्ली.

बालकथा — शशांक मिश्र भारती

बच्चों की लगन से चैनाला बना जल संरक्षण का आदर्श गांव

चैनाला सरयू नदी के ऊपर बसे एक गांव का नाम था। सीढ़ियोंदार बने खेत दूर से देखने पर किसी बैल की आंत की भांति दिखलाई पड़ते थे। गांव से ऊपर टेढ़ा-मेढ़ा सर्पिला रास्ता था।मानों बड़ा सा अजगर लाकर किसी ने एक छोर से दूसरे छोर तक पेट के बल सुला दिया हो। दिन भर मोटर गाड़ियों की गड़गड़हट, बजने वाले सायरनों की आवाज सुनायी पड़ती रहती थी।रात में सन्नाटा होने पर सायं-सायं को जंगली जानवर यदा-कदा तोड़ देते। सियारों की हुआ- हुआ तो रोज ही रात को सुनायी पड़ जाती। दूर से देखने पर चारों ओर का वातावरण हरा-भरा दिखता था। जैसा कि कोई हरी साड़ी में सजी-संवरी दुल्हन खड़ी हो, लेकिन अन्दर से हाल बड़ा खराब था खराब भी यूं कहिये; कि बरसात के मौसम को छोड़कर पूरे वर्ष पानी के दर्षन न होते ।एक ओर भयंकर गरमी दूसरी ओर पानी का संकट।नाले-स्रोत भी सूख जाते या उनमें से पानी पेड़ों से ओस की बूंदों सा टपकता।बरसात का पानी भी रुकने का उचित प्रबन्ध न होने से व्यर्थ ही बह जाता। इसलिये बरसात अधिक हो या कम। गरमियों का हाल एक जैसा ही रहता। पीने, कपड़ा धोने, नहाने, जानवरों को पानी पिलाने आदि के लिए सब नदी की ओर दौड़ते। कई बार नदी का दूषित जल पीने से गांव में बीमारियां फैल जातीं। गरमियां एक- दो जानवरों की जान ही ले जाती थी। पक्षी भी पानी के अभाव में तड़पकर दम तोड़ देते। आस-पास के अन्य गांवों की भांति ही यह गांव भी अनेक बुराईयों से ग्रस्त था। पुरुष दिन भर घुंआ उड़ाते, शराब और दम पीते। जुआं खेलते और स्त्रियां सुबह से देर रात तक काम में लगी रहती। कई बार चारे और लकड़ी के लिए दूर जंगल भी जाना पड़ता। अक्सर रात को नशे में आकर पुरुष मार- पीट भी करते। छोटी- छोटी बातों पर लड़ाई झगड़ा तो आम बात थी। बच्चे यह सब देखने को विवश थे। कुछ विरोध न कर पा रहे, थे। एक दिन की बात है, कि बच्चे पत्थरों को लगा- लगाकर घर बनाने का खेल रहे थे।एक बनाता दूसरा तोड़ देता।कोई-कोई ऊपर से पानी डाल देता।यही सब चल रहा था। कोई कहता ऐसे बनाओ। यह ठीक नहीं है और अपने आप एक-दो पत्थर रख देता। तब तक कोई आकर तोड़ देता।यही सब कुछ चल रहा था। उछलकूद तोड़ फोड़ के मध्य बच्चों ने देखा- कि एक स्थान पर पानी रुका हुआ है। कहीं से भी एक बूंद नहीं निकल रहा है। सब बच्चे इकटठे हो गये इस कौतूहल को देखने के लिए। किसी को कुछ समझ न आ रहा था। सब एक दूसरे की ओर प्रश्न भरी दृष्टि से देख रहे थे। सबके मन मे एक ही बात आ रही थी, कि आखिर ऐसा कैसे हो गया। पानी क्यों रुक गया? तभी शिखर ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा- मित्रों ध्यान से देखो कैसे पत्थरों ने मिट्टी की सहायता से पानी रोक दिया है। पत्थर इस प्रकार लग गये कि पूरा का पूरा पानी रुक गया है। हां भाईयों ,कितना अच्छा तालाब बन गया खेल-खेल में। इन्द्र ने अनुमान लगाया, मित्रों यदि ऐसे अनेक तालाब बना दिये जाये तो कितना अच्छा रहेगा। पानी बेकार में बहेगा भी नहीं और रुक भी जायेगा। चेतना ने बतलाया। चेतना तुम बातें तो बड़ी समझदारी की करती हो।पर यह सब कैसे संभव है? जिस समस्या का समाधान बड़े- बड़े लोग नहीं कर पाये। वर्षों से परेशान है। इन बच्चों ने खेल- खेल मे कर डाला चुटकी बजाते ही। अब हमारे गांव में पानी की समस्या नहीं रहेगी और न ही कोई पशु-पक्षी प्यासा मरेगा। प्रेरणा बोली, इतना सब कुछ कैसे होगा। यह बड़ी-बड़ी बातें करना तो आसान है। पर होगा कैसे सब? नेहा ने प्रश्न पूछते हुए कहा, सुनो मित्रों भले ही हमारे गांव वालों को शराब और जुआं खेलने से समय न हो। लड़ाई- झगड़े में उलझे हो। रोज रात को घर वालियों को पीटने में अपनी शान समझते हों ; किन्तु हम सब सच्चे मन से यदि कुछ करना चाहेगे तो पूरा होगा और सभी को सहयोग भी करना होगा हम सब मिल कर इसी तरह के या इससे कुछ बड़े तालाब गांव के चारों ओर बना सकते हैं हमारे गांव में पत्थरों की कोई कमी नहीं है। जहां- जहां से पानी बहकर नदी में जाता है या बरबाद हो जाता है।वहां-वहां पर तालाब बनाकर पानी रोकना है। यह सब तो ठीक है पर इतना सब कैसे सम्भव है।किस तरह से इतने बड़े गांव के चारों ओर तालाब बनेंगे। कौन समझायेगा। रोहित ने कहा, देखो रोहित, संख्या से अधिक महत्व परिश्रम व लगन का होता है। हम सब बच्चे किसी से कम थोड़े ही हैं। गांव के सौ बच्चे छांटकर दस- दस की दस टोलियां बनायेंगे। दो टोली उत्तर में, दो दक्षिण में, दो पूरब में और दो पश्चिम काम करेंगी। जो दो टोलियां बचेंगी।उनमें से एक टोली गांव के अन्दर रहकर साफ सफाई पर ध्यान देगी। गांव वालों का सहयोग लेकर गांव में छोटे-छोटे गड्ढे बनाकर उनमे पत्थर लगाकर पानी की टंकियां बनायेगी।ताकि घर - जरुरत का पानी इनमें मिल सके। अब बची एक टोली यह आस -पास के गांवों में जाकर वहां के लोगों को योजना व योजना से होने वाले लाभों से परिचित करायेगी। साथ ही बेकार में बहकर जाने वाले पानी को रोक कर उपयोग करने के लिए कहेगी। वाह! आनन्द आ गया, कैसे सुन्दर व उपयोगी योजना बनाई है।तूने शिखर, तुझे तो देश का जल बचाओ मन्त्री होना चाहिये। विशाल प्रसन्नता से उछलता हुआ बोला, इसके बाद गौरव, चेतना, प्रेरणा, नेहा, सुमित, प्रखर, नेहा, विशाल, आकाश और सूरज के नेतृत्व में टोलियां बना दी गईं। सभी टोलियां अपने कार्य में जी जान से जुट गईं। कुछ बच्चे पत्थर इकटठे कर रहे थे तो कुछ उनको मिट्टी मे अच्छी प्रकार लगा रहे थे। शिखर किसी टोली में न था वह घूम- घूम कर सभी का मार्गदर्शन कर रहा था। गांव के लोगों ने एक दो दिन तक तो यह सब बच्चों की बचकानी हरकत माना। उनकों डांटा- फटकारा भी। पर बच्चों की लगन व परिश्रम ने उनका हृदय जीत लिया और वह सब भी तालाब बनवाने में जुट गये। लगभग छः माह के कठोर परिश्रम के बाद चैनाला गांव पूरी तरह से छोटे- छोटे तालाबों से घिर गया।यहीं नहीं गांव की गन्दगी भी साफ हो गयी। परिश्रम का फल भी गरमी के मौसम में दिखलायी पड़ा, इस बार गांव में पानी की कोई समस्या न थी। सभी तालाब पानी से भरे थे। जानवर प्यास बुझा रहे थे।पक्षी चहचहाकर गाना सुना रहे थे। वास्तव में बच्चों की दूरदर्शिता ने वर्षों से फैली पानी की विकराल समस्या का समाधान कर दिया था। खेल -खेल में ही चैनाला एक आदर्श गांव बन गया था।

उपन्यास — असग़र वजाहत

सालों बाद लौटा अकरम, पराया सा अपना गांव

पते की बात सीधी-सच्ची होती है। उसे बताने के लिए न तो चतुराई की जरूरत पड़ती है और न सौ तरह के पापड़ बेलने पड़ते हैं। सीधी-सच्ची बात दिल को लगती है और अपना असर करती है। मैं यहां इन पन्नों में आपके सामने कुछ सच्ची बातें रखने जा रहा हूं। ये बातें गढ़ी हुई नहीं हैं आपकी और हमारी दुनिया में ऐसा हुआ है, हो रहा है और होता रहेगा। कुछ आपबीती है और कुछ जगबीती है। एक वक्त की बात है। कलकत्ता के पार्क स्ट्रीट इलाके में एक पादरी सफेद लंबा कोट पहने, टोपी लगाये, हाथ में पाक खिताब लिये जोशीली आवाज में कुछ कह रहा था। लोग उसे घेरे खड़े थे। सुन रहे थे। अकरम को कलकत्ता आये तीन-चार दिन ही हुए थे। उसके बड़े भाई मिस्टर जैक्सन के अर्दली थे। अकरम की उम्र सोलह-सत्तरह साल थी। वह अपने पुश्तैनी गांव अरौली से आया था और आने का मकसद यह था कि बड़े भाई ने उसकी नौकरी लगवा देने का पक्का परोसा दिलाया था। ''दो दिन से पड़ा सो रहा है, उठाओ उसे।'' अकरम जब से आया है सो रहा है। खाना-वाना खाता है, फिर सो जाता है। ''उठ अकरम...उठ।'' अकरम की भाभी ने उसे झिंझोड़ दिया। वह हड़बड़ाकर उठ बैठा। उसके बड़े भाई असलम की कड़ी और खरखराती आवाज आई, ''क्यों? सोने आया है यहां...चल उठ जाके बाजार से दही ले आ, तो तेरी भाभी खाना पका ले।'' अकरम हाथ में पतीली लेकर बाहर आया, गली से निकलकर सड़क पर आ गया। यहां से उसे उल्टे हाथ जाना था लेकिन सामने भीड़ लगी थी। पादरी का चेहरा धूप में लाल हो रहा था। अकरम ने इससे पहले कभी कोई गोरा नहीं देखा था। वह डर गया, लेकिन फिर भीड़ में पीछे छिपकर तमाशा देखने लगा। गोरे पादरी का चोगा पसीने से भीग गया था। उसकी घनेरी दाढ़ी हवा में लहरा रही थी। सीने पर पड़ा हार इधर-उधर झूल रहा था। अकरम उसे एकटक देखने लगा। उसकी बड़ी-बड़ी नीली आंखें इधर-उधर घूम रहीं थीं। वह जहन्नुम में दी जानेवाली तकलीफों के बारे में बात कर रहा था। उसकी आंखें और खौफनाक हो गईं थी। वह तेजी से घूम-घूमकर चारों तरफ जमा लोगों से कह रहा था, ''सच्चा और पक्का मजहब और एक करारी मेम कौन लेगा?'' पादरी की आवाज में कड़क थी, गरज थी, ईमानदारी थी, लालच था। वह सबको घूरकर देख रहा था। अचानक पादरी की आंखें अकरम की आंखों से टकराईं। पादरी ने गरजकर फिर अपना सवाल दोहराया, ''सच्चा और पक्का मजहब और एक करारी मेम कौन लेगा?'' अकरम को लगा कलेजा उसके मुंह से आकर लग गया है। उसका गला सूखने लगा। जबान पर लगा कांटे उग गये हैं। वह टकटकी लगाये पादरी को देख रहा था। पादरी बार-बार अपना सवाल दोहरा रहा था। हर बार सवाल के बाद अकरम की हालत खराब हो जाती थी। ऊपर आसमान में सूरज चिलचिला रहा था। भीड़ में कुछ अजीब आवाज उठ रही थी। अकरम को लगा उसे अपने ऊपर काबू ही नहीं है। वह बोल उठा, ''मैं।'' अकरम के चेहरे पर एक अजीब तरह का भाव था। वह गर्मी से झुलस रहा था। आंखें फटी जा रही थीं। पूरे मजमे ने अकरम की तरफ देखा। पादरी के चेहरे पर मुस्कुराहट आ गई। वह आगे बढ़ा और अकरम के आगे हाथ जोड़कर खड़ा हो गया, फिर धीरे-धीरे अकरम का हाथ पादरी के हाथ में चला गया। अकरम के भाई ने उसे कलकत्ता की हर गली में खोजा, आसपास के गांवों में गया। पुलिस दारोगा से पूछा। अस्पताल, मुर्दाघर, कब्रिस्तान हर जगह जाकर पता लगाया, लेकिन अकरम का कहीं पता नहीं चला। थक-हारकर घर चिट्ठी लिख दी। घर यानी यू.पी. के मेरठ जिले की सरधना तहसील के अरौली गांव। अकरम के बूढ़े बाप और मां को यह खबर मिली तो मां ने रो-रो के जान दे दी। छोटे भाई हैरत में पड़े रहे। बाप ने तौबा कर ली कि अब किसी औलाद को कलकत्ता नहीं भेजेंगे। अरौली गांव में सब-कुछ वैसे ही होता रहा-जैसा होता आया था। अकरम के लापता हो जाने की बात सब भूलते चले गये। पाठकों, समय बीतता गया और बीतता गया। दस लाख नौ हजार पांच सौ बार सूरज निकला और डूबा। खेतों में गेहूं लहलहाया और कुंदन की तरह लाल हुआ। नदी में नीला पानी बहता रहा, हवा चलती रही, पत्ते हिलते रहे। मौसम पर मौसम बदलते रहे। बदलते समय के साथ चेहरे भी बदलते रहे। अकरम के वालिद गुजर गये। कलकत्ता में असलम का इंतकाल हो गया। अकरम के छोटे भाई वहीद हैजे से मरे। उनके दोनों बेटों, तक्कू और आबिद ने हल-बैल संभाल लिया।

लोककथा — सुषमा गुप्ता

चूहे ने बंदर की पूंछ बचाई

एक जंगल में एक हयीना रहता था। जंगल का कोई भी जानवर उसको नहीं चाहता था क्योंकि वह एक बहुत ही बेरहम जानवर था। एक दिन जब वह खाने की तलाश में इधर उधर घूम रहा था तो वह शिकारी के बनाये हुए एक गड्ढे में गिर पड़ा। गड्ढा गहरा था सो वह ऊपर तक कूद कर भी नहीं आ सका और उसी गड्ढे में पड़ा रह गया। उधर से बहुत सारे जानवर निकले परन्तु उन्होंने उसको जान बूझ कर देख कर भी अनदेखा कर दिया सो वह वहीं का वहीं पड़ा रहा। इत्तफाक से वहाँ से एक बंदर गुजरा। वह बंदर किसी दूसरे जंगल का था और उस हयीना को नहीं जानता था। उसने हयीना को देखा तो ऊपर से ही चिल्लाया - "अरे हयीना भाई, तुम यहाँ कैसे?" हयीना बोला - "क्या बताऊं बंदर भाई, मैं इधर खाने की तलाश में निकला था पर इन बदमाश शिकारियों के बनाए इस गड्ढे में गिर पड़ा। मेरी जान बचाओ, तुम्हारी बड़ी मेहरबानी होगी।" बंदर बोला - "तुम कोई खराब किस्म के जानवर लगते हो क्योंकि इधर से जाने कितने आदमी और जानवर गुजरे होंगे पर तुमको किसी ने बचाया नहीं?" हयीना बोला - "पता नहीं, पर क्या तुमने मुझे कोई खराब काम करते देखा है? और जहाँ तक मेरे अच्छे कामों का सवाल है वह तो तुम आगे आने वाले समय में ही देख पाओगे।" और वह फिर बंदर से अपने आप को गड्ढे में से निकालने की प्रार्थना करने लगा। काफी ना नुकुर के बाद बंदर उसकी सहायता करने के लिए राजी हो गया पर वह बोला - "पर मैं तुम जितने बड़े जानवर को निकालूंगा कैसे, मैं तो बहुत छोटा सा हूं?" हयीना बोला - "तुम्हारे लिए तो यह बहुत आसान है। तुम अपनी पूंछ इस गड्ढे में लटका दो और मैं उसको पकड़ कर ऊपर तक चढ़ आऊंगा।" बंदर ने वैसा ही किया और हयीना उसकी पूंछ पकड़ कर ऊपर आ गया। ऊपर आ कर हयीना ने बंदर को बहुत धन्यवाद दिया और उसके इस काम के लिए अपनी कृतज्ञता प्रगट की। पर अचानक ही फिर वह बात बदल कर बोला - "बंदर भाई, मुझे तुम्हारी यह पूंछ बहुत पसन्द आयी। तुम अपनी यह पूंछ मुझे दे दो।" बंदर ने तो यह सपने में भी नहीं सोचा था कि कोई उसकी पूंछ भी माँग सकता है सो वह कुछ नाराजगी से बोला- "देखो न, मैं न कहता था कि तुम मुझे कोई खराब जानवर लगते हो तभी तो मेरे भलाई करने के बाद तुम अब मेरे शरीर का यह हिस्सा माँग रहे हो।" पर हयीना को तो बंदर की पूंछ बहुत पसन्द आ गयी थी इसलिए उसकी समझ में बंदर की कोई बात नहीं आ रही थी और इसी वजह से वह बन्दर से उसकी पूंछ देने के लिये जिद करता रहा। उसने तो बंदर से यहाँ तक भी कह दिया कि अगर उसने अपनी पूंछ उसे अपनी मरजी से नहीं दी तो वह उसकी पूंछ जबरदस्ती ले लेगा। यह सब सुन कर बंदर तो बहुत ही परेशान हो गया। पर उसने धीरज से काम लिया और हयीना से कहा कि चलो किसी जज से फैसला कराते हैं। सो वे दोनों एक जज के पास पहुंचे और उनका जज कौन था? एक चूहा। जब वे वहाँ पहुंचे तो चूहा बैठा हुआ काशीफल के बीज खा रहा था।

उनकी बातें सुनने के बाद वह बोला कि वहाँ तो बहुत गरम हो रहा था सो चल कर किसी पेड़ की छाया में बैठा जाये। सो वह उन दोनों को एक पेड़ की छाया में ले गया और अपने बिल के सामने जा कर बैठ गया। उसने बंदर से इशारे से कहा कि वह अपनी पूंछ को अपनी बगल में दबा ले और जब वह इशारा करे तो कूद कर पेड़ पर चढ़ जाए। चूहे ने इशारा किया और अपना फैसला सुना दिया - "हयीना, तुम बंदर की पूंछ नहीं ले सकते।" और यह कह कर वह अपने बिल में घुस गया। हयीना लपक कर बन्दर की तरफ दौड़ा परन्तु बंदर तो कब का कूद कर पेड़ पर चढ़ चुका था। हयीना बेचारा हाथ मलता हुआ घर वापस आ गया।

ट्रंप के हमले से बढ़ा अमेरिका-ईरान टकराव, वैश्विक शांति पर संकट

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रविवार सुबह भले यह दावा किया हो कि ईरान की तीन अहम न्यूक्लियर साइट्स को पूरी तरह तबाह कर दिया गया है, लेकिन हकीकत में इस संघर्ष में सीधे कूदकर उन्होंने अनिश्चितता बढ़ा दी है। यहां से इसी बात की आशंका ज्यादा है कि अब टकराव और भयानक होगा। इस हमले से दो दिन पहले वाइट हाउस ने बताया था कि इस्राइल-ईरान संघर्ष में शामिल होने को लेकर कोई भी फैसला दो हफ्ते में लिया जाएगा। तब इससे यही कयास लगे थे कि ट्रंप ने तेहरान के सामने बातचीत का भी रास्ता खुला रखा है। लेकिन, इस कार्रवाई से लगता है कि कूटनीति के लिए जगह नहीं बची। वार्ता का विकल्प खत्म होना किसी के हक में नहीं है। इस्राइल और अमेरिका दो प्रमुख लक्ष्य के साथ इस संघर्ष में उतरे हैं - ईरान के परमाणु कार्यक्रम का पूरी तरह से खात्मा और सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत। हालांकि यह अब भी नहीं कहा जा सकता कि अमेरिकी दखल के बावजूद इनमें से कोई भी लक्ष्य पूरा होने के करीब पहुंच गया हो। और इस बात का अंदाजा भी कोई नहीं लगा सकता कि इसमें कितना वक्त लगेगा। तो यह सवाल रह जाता है कि एक दिन पहले तक शांति के नोबेल की बात कहने वाले ट्रंप ने इस अटैक से क्या हासिल किया? अमेरिकी एक्शन ने संघर्ष की आग को भड़काने के लिए ईंधन दे दिया है। कतर, बहरीन, कुवैत, इराक, यूएई समेत पश्चिम एशिया के कई देशों में अमेरिका के सैन्य ठिकाने हैं। ईरान ने इन्हें निशाना बनाने की चेतावनी दी थी। अगर वह इस पर अमल करता है तो युद्ध और फैलेगा। इन सभी जगहों को किसी हमले से पूरी तरह सुरक्षित रखना अमेरिका के लिए भी संभव नहीं। इस टकराव को लेकर शुरू से सबसे बड़ी आशंका जताई जा रही है ऑयल सप्लाई को लेकर। ईरान के पास दुनिया के सबसे अहम तेल मार्ग - Strait of Hormuz की कुंजी है। यहां थोड़ा-सा भी अवरोध डगमगाती ग्लोबल इकॉनमी के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण ऑयल व नैचुरल गैस सप्लाई पर पहले से दबाव है और शायद वह और दबाव न झेल पाए। एक के बाद एक, महामारी और युद्धों से जूझ रही दुनिया को स्थायित्व और शांति की जरूरत थी, लेकिन डर है कि अमेरिकी हमले ने ऐसी किसी उम्मीद को फिलहाल खत्म कर दिया है।

'मिलेनियल ब्यूटी एंड बिज़नेस अवॉर्ड शो- सीज़न 3'

का भव्य आयोजन, ग्लैमर और उद्यमिता का अद्भुत संगम

- *ब्यूटी और बिज़नेस की दुनिया के उभरते सितारों को एक मंच पर सम्मानित करने के उद्देश्य से "मिलेनियल ब्यूटी एंड बिज़नेस अवॉर्ड शो - सीज़न 3" का भव्य आयोजन बड़े ही शानदार तरीके से किया जाएगा, यह कार्यक्रम उन प्रतिभाओं को सम्मान देने के लिए आयोजित किया गया है. जिन्होंने सौंदर्य और व्यापार की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है।*
- *इस सीज़न का आयोजन ग्लिट्ज़, ग्लैमर और प्रेरणा से भरपूर रहा, जहाँ देशभर से नामचीन मेकअप आर्टिस्ट्स, उद्यमी महिलाएँ, फैशन आइकॉन, और बिज़नेस इनोवेटर्स शिरकत करने वाले हैं. समारोह में रेड कार्पेट, पुरस्कार वितरण और लाइव परफॉर्मेंस दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देंगे.*
- *इस अवॉर्ड शो का उद्देश्य न केवल सौंदर्य और व्यापार क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करना है, बल्कि युवाओं को प्रेरित करना भी है कि वे अपने सपनों को साकार करने का साहस करें।*
- *कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में कई सेलिब्रिटीज़, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और इंडस्ट्री लीडर्स ने भाग लेंगे। इस अवसर पर मेघा कपूर जैसी इंटरनेशनल सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट को भी विशेष सम्मान प्रदान किया गया, जिन्होंने अपने संघर्ष और हुनर के बलबूते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाया है।*
- *"मिलेनियल ब्यूटी एंड बिज़नेस अवॉर्ड शो" हर साल उन व्यक्तित्वों को मंच देता है, जो अपने फील्ड में कुछ नया और प्रेरणादायक कर रहे हैं। यह आयोजन न केवल सौंदर्य और व्यापार का उत्सव था, बल्कि यह एक प्रेरणा बन गया उन सभी के लिए जो सपनों को हकीकत में बदलने का जज़्बा रखते हैं।*

Main Sponsor. Mr. Siraj Sheikh (Btp Group Founder). Co -Sponsor By 2025. Touch Factor (Saluja Traders). Cosmetic Brands From Uae. Powered By. The Wheels (Car Customs). (Media Parter) Kara News. Bcn News2025. Travel Partner: Btp Travel Point. Supported By -2025: Rv Parekh Jwellers, Itwari. Dwarka Water Park (Mr. Ramani). Henil Soni And Aditi Soni (Diamond Merchant). Dwarkesh. Beauty Day To Day. Karati Diamond. Rehan Ansari (Fashion Choreographer), Lalit. Harode (Supporting Partner), Car Wheels. Venue Partner- Scsd (Symbiosis Centre For Skill Development). मेघा कपूर अमेसर : (International Celebrity Makeup Artist).

आयोजक: Millennial Beauty N Business Award Show | मो.: 7028828666 / 8554977322 / 7385547012 / 9552558083. Email – Meghakapooramesar2@gmail.com

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

एमएलसी में मिचेल ओवन का धमाका

> पंजाब किंग्स की बड़ी भूल उजागर!

नई दिल्ली.

किसी भी खिलाड़ी को परखने के लिए उसे मौके देने होते हैं. पंजाब किंग्स ने वही नहीं किया. आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स ने जिसे सिर्फ 1 मैच खिलाकर बाहर कर दिया, उस खिलाड़ी ने एमएलसी 2025 के एक मैच में सिर्फ 52 गेंदों पर धमाल मचाकर टीम को जीत दिलाई है. हम बात कर रहे हैं मिचेल ओवन की, जिन्हें पंजाब किंग्स ने ग्लेन मैक्सवेल के रिप्लेसमेंट के तौर पर 3 करोड़ रुपये में खुद से जोड़ा था. मगर वो 1 मैच से ज्यादा नहीं खेल पाए.

24 घंटे के अंदर दूसरी बार बना हीरो : आईपीएल 2025 में मिचेल ओवन ने पंजाब किंग्स की ओर से

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ डेब्यू किया था. उस मैच में नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने उतरे मिचेल ओवन ने एक भी रन नहीं बनाए और बिना खाता खोले ही आउट हो गए थे. मगर अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट में उनका सूरतेहाल वैसा नहीं है. वहां वो धमाका पर धमाका किए जा रहे हैं. नतीजा ये है कि 24 घंटे के अंदर वो दूसरी बार अपनी टीम की जीत के हीरो बने हैं.

मिचेल ओवन ने कैसे जिताए बैक टू बैक 2 मैच? : एमएलसी 2025 में मिचेल ओवन का लेटेस्ट धमाका टेक्सस सुपर किंग्स के खिलाफ देखने को मिला.

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए टेक्सस सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 220 रन बनाए, जिसमें उसके कप्तान फाफ डु प्लेसी ने सबसे ज्यादा 69 रन बनाए. वाशिंगटन फ्रीडम के सामने 221 रन का लक्ष्य बड़ा था मगर मिचेल ओवन ने उसके लिए ऐसी नींव ख़ड़ी कि जीत मुमकिन हो गई. वाशिंगटन फ्रीडम ने 221 रन का टारगेट 3 विकेट खोकर 2 गेंद पहले हासिल कर लिया. और, इस तरह से 7 विकेट से मैच जीता.

24 घंटे के अंदर वाशिंगटन फ्रीडम को मिली ये दूसरी जीत रही, जिसके नायक फिर से मिचेल ओवन ही बने. उन्होंने सिर्फ 52 गेंदों पर 89 रन की पारी खेलते हुए टीम के लिए जीत की बुनियाद रखी थी. मिचेल ओवन इस मैच के तो हीरो बने ही. ठीक 24घंटे पहले मुंबई इंडियंस न्यू यॉर्क के खिलाफ भी उन्होंने ऐसी ही दमदार जीत दिलाई थी. तब उन्होंने 60 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली थी.

अब तक उड़ाए 17 छक्के : वाशिंगटन फ्रीडम की लगातार दो जीतों के हीरो बने मिचेल ओवन रनों के राजा भी बनते दिख रहे हैं. एमएलसी 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में फिलहाल वो फिन एलन के बाद दूसरे नंबर पर है. उनके 245 रन हैं, जो उन्होंने 17 छक्के के दम पर जड़े हैं.

ललित उपाध्याय ने कहा अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा

> भारतीय हॉकी के स्वर्णिम युग का समापन

नई दिल्ली.

हॉकी इंडिया ने सोमवार को अनुभवी फॉरवर्ड ललित कुमार उपाध्याय को हार्दिक बधाई दी, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा की। इसके साथ ही 2014 से 2025 तक एक दशक से अधिक समय तक चले उनके उल्लेखनीय करियर का समापन हो गया। उत्तर प्रदेश के वाराणसी के रहने वाले ललित ने बेल्जियम के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग 2024-25 सीजन के यूरोपीय चरण के भारत के अंतिम मैच के तुरंत बाद एक भावपूर्ण सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से अपने फैसले की घोषणा की। हालांकि उन्होंने दौरे के दौरान चार मैचों में भाग लिया, लेकिन भारतीय जर्सी में उनका अंतिम प्रदर्शन 15 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुआ। ललित ने सीनियर स्तर पर भारत के लिए 183 मैच खेले, जिसमें 67 गोल किए। पिछले कुछ वर्षों में वह भारत की फॉरवर्ड लाइन में एक विश्वसनीय नाम बन गए। वह अपनी बहुमुखी प्रतिभा, ऑन-फील्ड बुद्धिमत्ता और दबाव की स्थितियों में शांत व्यवहार के लिए जाने जाते हैं। 2014 हॉकी विश्व कप में पदार्पण करने से लेकर दो बार ओलंपिक पोडियम पर खड़े होने तक, ललित का करियर आधुनिक युग में भारतीय हॉकी के कुछ सबसे बड़े मील के पत्थर की समयरेखा है। वह टोक्यो 2020 ओलंपिक में इतिहास रचने वाली टीम का अहम हिस्सा थे, जिसने भारत को लंबे समय से प्रतीक्षित कांस्य पदक जीतने में मदद की और पेरिस 2024 ओलंपिक में इस उपलब्धि को दोहराया, जिससे

एक बड़े मैच के खिलाड़ी के रूप में उनकी प्रतिष्ठा मजबूत हुई। ओलंपिक के अलावा, ललित ने 2016 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी, 2017 एशिया कप में भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस मैच में उन्होंने चार गोल किये थे और कई अन्य पोडियम फिनिश में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके पदक से भरे करियर में ओडिशा पुरुष हॉकी विश्व लीग फाइनल 2017 में कांस्य, एफआईएच पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2018 में रजत, 2018 एशियाई खेलों में कांस्य और 2018 पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण शामिल हैं। वह एफआईएच प्रो लीग 2021-22 में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम का भी हिस्सा थे और हांग्जो में एशियाई खेलों 2022 में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय हॉकी में उनके योगदान के लिए ललित को 2021 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, "ललित अपनी पीढ़ी के सबसे शानदार और समर्पित फॉरवर्ड में से एक रहे हैं। चाहे वह कोई महत्वपूर्ण ओलंपिक मैच हो या लीग गेम, उन्होंने हमेशा भारतीय जर्सी को गर्व के साथ पहना और दिल से खेला।" उन्होंने कहा कि वाराणसी की संकरी गलियों से दो बार ओलंपिक पोडियम पर खड़े होने तक का उनका सफर किसी प्रेरणा से कम नहीं है। हम भारतीय हॉकी के लिए उनकी निस्वार्थ सेवा के लिए उन्हें धन्यवाद देते हैं और उनके जीवन के अगले चरण के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।" हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी ललित के अपार योगदान की सराहना की और कहा, "ललित खेल के सच्चे राजदूत रहे हैं, मैदान के बाहर विनम्र और मैदान पर निडर। उनकी निरंतरता, कौशल और बड़े मैचों के प्रति उनके स्वभाव ने उन्हें टीम का स्तं भ बना दिया। उन्हें न केवल उनके गोल के लिए बल्कि टीम में लाई गई ऊर्जा और सकारात्मकता के लिए भी याद किया जाएगा। हॉकी इंडिया को उनकी उपलब्धियों पर गर्व है।"

एफआईएच प्रो लीग में भारत की बेल्जियम से 2-0 से हार

> तीसरे स्थान पर पहुंचा बेल्जियम

एंटवर्प.

एम्ब्रे बॉलेनघिएन (40) और लिएन हिलवार्ट (43) के गोलों की मदद से बेल्जियम ने रविवार को एंटवर्प में भारतीय महिला हॉकी टीम के खिलाफ 2-0 से जीत दर्ज की। इस जीत ने सुनिश्चित किया कि बेल्जियम एफआईएच महिला प्रो लीग में क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर मौजूद नीदरलैंड और अर्जेंटीना के बाद तीसरे स्थान पर बना हुआ है। शनिवार को 1-5 से हार के बाद, भारत ने क्वार्टर की शुरुआत पिछले हार की निराशा को दूर करने के स्पष्ट इरादे के साथ आक्रामक खेल दिखाते हुए की। उन्होंने अच्छी गति से जगह बनाने की कोशिश की। उन्होंने क्वार्टर की शुरुआत में एक पीसी भी जीता, लेकिन गोल नहीं कर पाए। इस बीच, पहले हूटर के लिए छह मिनट बचे थे, एक रक्षात्मक त्रुटि ने बेल्जियम को मैच का पहला पीसी दिलाया। मेजबान टीम के धीमे प्रयास के कारण अंपायर ने पेनल्टी स्ट्रोक दिया। लेकिन भारत द्वारा एक अच्छे वीडियो रेफरल से पता चला कि यह ज्योति की स्टिक थी, और वीडियो अंपायर ने इसे लॉन्ग कॉर्नर करार दिया। दूसरे क्वार्टर में भारतीय हमलावरों ने कुछ बहादुरी से बढ़त हासिल की, जो तेजी और जोश के

साथ आगे बढ़े। कप्तान सलीमा टेटे ने खुद गोल पर कुछ शॉट लिए, लेकिन बेल्जियम की रक्षा फिर से मजबूत हो गई। हाफ-टाइम तक भारत के पास दो पीसी थे, जबकि बेल्जियम के पास एक था, और भारत के आठ के मुकाबले 10 सर्कल एंट्री थीं। हाफ-टाइम ब्रेक तक यह एक बराबरी का मैच था, जिसमें भारत उस जीत की तलाश में था। हालांकि तीसरे क्वार्टर में, वे अपनी योजना खोते हुए दिखे। हालांकि भारत ने क्वार्टर की शुरुआत आशावादी तरीके से की, और उन्हें एक पीसी दिया गया। वे अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके, लेकिन बेल्जियम ने अगले मिनटों में एक पीसी जीतकर ऐसी कोई गलती नहीं की। एमड्रे बैलेंगियन ने बाएं से शॉट लिया, जिसे भारत की गोलकीपर सविता ने डिफ्लेक्ट कर दिया। लेकिन गेंद रिबाउंड हुई और पोस्ट में पूरी तरह से उछाली गई। मेजबान टीम के लिए यह 1-0 की बहुत जरूरी बढ़त थी। भारत ने तुरंत पीसी के साथ जवाब दिया, लेकिन बराबरी करने में विफल रहा। 1-0 की बढ़त पर सवार बेल्जियम ने पीसी के माध्यम से भारत के पोस्ट में एक और गेंद डाली। उन्होंने इसी तरह का वैरिएशन खेला, गेंद को बाईं ओर भेजा और लीन हिलेवार्ट सही तरीके से सही दिशा में डिफ्लेक्शन पाने के लिए पूरी तरह से तैयार थी, जबकि कोई भी भारतीय डिफेंडर उसके शॉट के लिए खतरा नहीं बन रहा था। पलक झपकते ही बेल्जियम 40वें और 43वें मिनट में गोल करके 2-0 से आगे हो गया।

दूसरे टेस्ट से पहले श्रीलंका को झटका, तेज गेंदबाज बाहर

कोलंबो.

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के तहत इस समय कुल 4 टीमें टेस्ट क्रिकेट खेल रही हैं. भारतीय टीम इंग्लैंड के दौरे पर है, जहां 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है. वहीं, श्रीलंका की टीम अपने घर पर बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है. इस सीरीज का पहला मैच ड्रॉ रहा था. वहीं, दूसरे टेस्ट से पहले श्रीलंका क्रिकेट टीम को एक बड़ा झटका लगा है. उनकी टीम के एक अहम तेज गेंदबाज को चोट के चलते इस अहम मुकाबले से बाहर होना पड़ा है.

टेस्ट सीरीज से बाहर हुआ ये खिलाड़ी : श्रीलंका क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मिलन रथनायके चोट के चलते इस टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं. सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट मैच 25 से 29 जुलाई तक कोलंबो के सिन्हलीज स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में खेला जाएगा. श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने इसकी

जगह तेज गेंदबाज विश्व फर्नांडो को 19 सदस्यीय टीम में शामिल किया है. इसके अलावा, बाएं हाथ के स्पिनर दुनिथ वेल्लालागे को भी टीम में जगह दी गई है. वह एंजेलो मैथ्यूज की जगह टीम में आए हैं, जिन्होंने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया है.

कौन करेगा सीरीज पर कब्जा? : पहला टेस्ट मैच, जो गाले में 17 से 21 जून तक खेला गया था वो ड्रॉ पर खत्म हुआ था. इस मैच में बांग्लादेश ने पहली पारी में 495 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था, जिसके जवाब में श्रीलंका 485 रनों पर सिमट गई थी. फिर दूसरी पारी में बांग्लादेश ने 285/6 पर पारी घोषित की और श्रीलंका को 37 ओवरों में 296 रनों का टारगेट दिया. हालांकि, आखिरी दिन का खेल खत्म होने तक श्रीलंका की टीम 4 विकेट के नुकसान पर 72 ही बना सकी और मुकाबला ड्रॉ रहा. ऐसे में अब दोनों टीमों को सीरीज जीतने के लिए आगामी टेस्ट जीतना होगा.

दूसरे टेस्ट के लिए श्रीलंका टीम : धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), पथुम निसांका, ओशाद फर्नांडो, लाहिरू उदारा, दिनेश चांदीमल, कामिंदु मेंडिस, कुसल मेंडिस, डुनिथ वेल्लागे, पसिंदु सोरियाबंदारा, सोनल दिनुशा, पवन रथनायके, प्रभात जयसूर्या, थरिंदु रथनायके, अकिला धनंजय, विश्वा फर्नांडो, असिथा फर्नांडो, कासुन राजिथा, इसिथा विजेसुंदरा.

एमएलसी में उन्मुक्तचंद का जलवा

> वैभव सूर्यवंशी के फैन ने मचाया धमाल

नई दिल्ली.

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2025 में जो कर दिखाया है, उसके बाद हर तरफ उनके ही जलवे हैं. उनके ही चाहने वालों की लंबी होती लिस्ट है. ऐसा ही एक दीवाना वैभव सूर्यवंशी का इस वक्त अमेरिका में चल रही मेजर लीग क्रिकेट में भी खेल रहा है. इस वक्त एमएलसी 2025 में छाए वैभव सूर्यवंशी के उस दीवाने का भारत से गहरा नाता है. हम बात कर रहे हैं भारत को अंडर 19 का वर्ल्ड कप अपन कप्तानी में जिताने वाले खिलाड़ी उनमुक्त चंद की. भारत में मौके नहीं मिलने के चलते उन्मुक्त ने अमेरिका का रुख किया. वो अब वहीं से क्रिकेट खेलते हैं. फिलहाल, अपनी बल्लेबाजी को लेकर एमएलसी में छाए हैं.

वैभव सूर्यवंशी के बैट स्पीड के दीवाने हैं उन्मुक्त चंद : अब आप सोच रहे होंगे कि उन्मुक्त चंद और वैभव सूर्यवंशी के दीवाने? तो जी हा, जरूरी नहीं कि फैन केवल बड़े खिलाड़ियों के ही हों. वैभव सूर्यवंशी जैसे उभरते सितारे भी लोगों को अपना दीवाना बना रहे हैं. उम्मुक्त चंद उसी फेहरिस्त का एक हिस्सा हैं, जो वैभव की बैट स्पीड और हैंड आई को-ऑर्डिनेशन के कायल हैं. उन्होंने कहा भी है कि इस मामले में उसकी काबिलियत गजब की है.

9 छक्के, 16 चौके, 161 रन... एमएलसी 2025 में प्रदर्शन : बहरहाल, वैभव सूर्यवंशी के तारीफों के पूल बांधने वाले उन्मुक्त चंद ने एमएलसी 2025 में 161 रन ठोक दिए हैं. ये कमाल उन्होंने 9 छक्के और 16 चौके की मदद से किए हैं. इतने रन बनाने के साथ ही वो फिलहाल एमएलसी 2025 के टॉप 10 रनवीरों में छठे नंबर पर आ गए हैं. उन्मुक्त चंद के एमएलसी 2025 में बनाए ओवरऑल

रन में उनका सर्वाधिक स्कोर 86 रनों की नाबाद पारी का है, जो कि उन्होंने 22 जून को खेले मुकाबले में बनाए हैं.

उन्मुक्त चंद ने दिलाई टीम को धमाकेदार जीत : मएलसी 2025 में 22 जून को सिएटल ओर्कास और लॉस एंजलिस नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला हुआ. इस मुकाबले में सिएटल ओर्कास ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 177 रन बनाए, जवाब में 178 रन के लक्ष्य का पीछा लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स ने 10 गेंद पहले ही 4 विकेट खोकर पूरा कर लिया. लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स की ओर से प्लेयर ऑफ द मैच बने उन्मुक्त चंद ने सबसे ज्यादा रन बनाए. उन्होंने ओपन करते हुए 58 गेंदों पर 148 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से नाबाद 86 रन बनाए, उन्मुक्त ने इस पारी के साथ टीम को तो जीत दिलाई ही, साथ ही 5 बड़े रिकॉर्ड भी अपने नाम किए.

टूटे ये 5 बड़े रिकॉर्ड : उन्मुक्त चंद ने पहला रिकॉर्ड लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने का तोड़ा. अपना 10वां मैच खेलते हुए उन्होंने इस मामले में सुनील नरेन को पीछे छोड़ा. उन्होंने सैफ बदर के साथ मिलकर 139 रन की पार्टनरशिप की, जो कि लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के लिए हुई किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड है. उन्मुक्त चंद ने अपनी इनिंग में 64 रन बाउंड्री से बनाए, जो कि लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के लिए एक नया रिकॉर्ड है.

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया

बर्लिन.

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने बर्लिन के ब्लाउ वीस स्टेडियम में 4 नेशन टूर्नामेंट में अपने दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज की। भारत के लिए शारदानंद तिवारी ने 15वें मिनट, सौरभ आनंद कुशवाहा ने 36वें मिनट और आमिर अली ने 43वें मिनट में गोल दागे। ऑस्ट्रेलिया के लिए एकमात्र गोल ओलिवर विल ने 55वें मिनट में किया। भारत ने मैच की शुरुआत दमदार तरीके से की और 15वें मिनट में शारदानंद तिवारी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। पहले हाफ के बाकी

समय में दोनों टीमों ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन कोई भी टीम फिर से गतिरोध को नहीं तोड़ पाई और भारत मामूली बढ़त के साथ दूसरे हाफ में पहुंच गया।

तीसरे क्वार्टर में किये लगातार 2 गोल : भारत ने तीसरे क्वार्टर में लगातार दो गोल करके अपनी लय बनाए रखी। 36वें मिनट में सौरभ आनंद कुशवाहा ने ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर को छकाते हुए महत्वपूर्ण फील्ड गोल करके भारत की बढ़त को और मजबूत किया। कुछ ही क्षणों बाद, 43वें मिनट में, आमिर अली ने विजयी टीम के लिए एक और फील्ड गोल करके भारत को जीत के और करीब पहुंचा दिया। मैच के अंतिम क्वार्टर में, ऑस्ट्रेलिया ने भी पांच मिनट शेष रहते ओलिवर विल के फील्ड गोल की बदौलत गोल करने में सफलता पाई, लेकिन वे दो और गोल नहीं कर पाए और भारत ने मुकाबला जीत लिया। टूर्नामेंट में राउंड-रॉबिन प्रारूप है, जिसमें भाग लेने वाली चार टीमें – भारत, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और स्पेन – पूल चरण में एक-एक बार आमने-सामने होंगी।

मैनचेस्टर सिटी ने अल ऐन को 6-0 से रौंदा

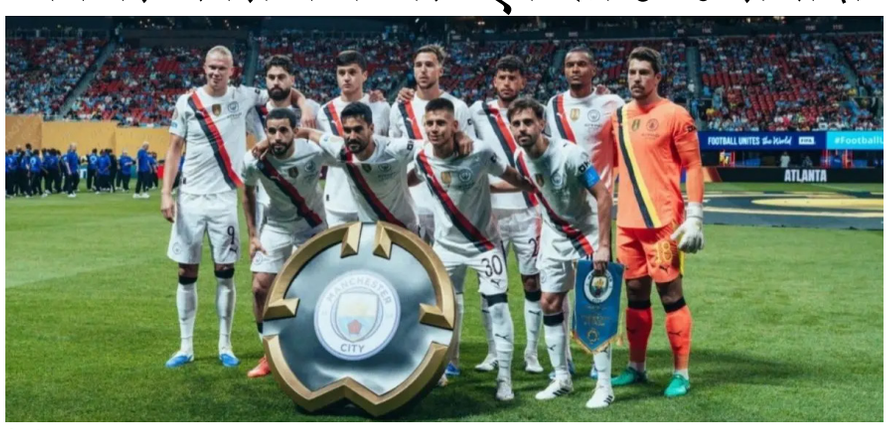

मैनचेस्टर.

> फीफा क्लब वर्ल्ड कप में जगह पक्की

मैनचेस्टर सिटी ने सोमवार को अल ऐन पर 6-0 की शानदार जीत। इसी के साथ उसने फीफा क्लब विश्व कप 2025 के राउंड ऑफ-16 में जगह बना ली है। इस जीत के साथ ही युवेंटस का क्वालीफिकेशन भी तय हो गया है। इस मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी की ओर से इल्के गुंडोगन (8 और 73) ने 2 गोल दोगे। इनके अलावा क्लाउडियो एचेवेरी (27), एर्लिंग हैलैंड (45+5), ऑस्कर बॉब (84) और रेयान चेर्की (89) ने टीम ने एक-एक गोल किये । पेप गार्डियोला की टीम हमेशा अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर नहीं रही, लेकिन जब गुंडोगन ने उन्हें आठवें मिनट में बढ़त दिलाई, उसके बाद से टीम ने लगातार पकड़ बनाए रखी। 19 वर्षीय एचेवरी ने क्लाउडियो एचेवरी इस टूर्नामेंट में लियोनेल मेसी के बाद फ्री-किक से सीधे गोल करने वाले अर्जेंटीना के दूसरे खिलाड़ी बन गए। गार्डियोला की टीम ने एकतरफा दूसरे हाफ में अपना दबदबा बनाए रखा। बर्नार्डो सिल्वा के एक चतुर रिवर्स पास के बाद ऑस्कर बॉब के एक स्मार्ट फिनिश ने उनकी बढ़त को और बढ़ा दिया। मैच के एक मिनट पहले ही स्कोरलाइन में एक और गोल का इजाफा हो गया। हैलैंड ने चेर्की को पास दिया और उन्होंने टीम के लिए छठा गोल दाग दिया। गार्डियोला की टीम अब जुवेंटस एफसी का सामना करेगी। स्टैंडिंग को देखें, तो मैनचेस्टर सिटी शुरुआती दोनों मुकाबले जीतकर दूसरे पायदान पर है, जबकि जुवेंटस दोनों मैच जीतकर पहले स्थान पर मौजूद है।

इस ग्रुप के अन्य मुकाबले में जुवेंटस ने अपने पिछले मैच में वायदाद एसी के खिलाफ 4-1 से जीत दर्ज की है। इस ग्रुप में वायदाद एसी और अल ऐन ने अब तक दो-दो मुकाबले खेले हैं, लेकिन जीत का खाता नहीं खोल सके। दोनों टीमें फिलहाल तीसरे और चौथे पायदान पर मौजूद हैं।

ऋषभ पंत ने रचा इतिहास

लंदन.

> इंग्लैंड में किया अनोखा कारनामा

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया के सबसे अहम खिलाड़ियों में से एक माने जाते हैं. उन्होंने इसे एक बार फिर सही साबित करके दिखाया है. लीड्स टेस्ट में ऋषभ पंत ने एक बार फिर कमाल की पारी खेलते हुए इतिहास रच दिया है. ऋषभ पंत ने इस मैच की पहली पारी में शतक लगाया था और अब दूसरी पारी में अर्धशतक जड़ दिया. ये अर्धशतक उनके लिए काफी खास रहा, क्योंकि वह एक ऐसा कारनामा करने में कामयाब रहे, जो इससे पहले इंग्लैंड में कोई भी भारतीय नहीं कर सका था.

ऋषभ पंत ने इंग्लैंड में रचा इतिहास : ऋषभ पंत ने लीड्स टेस्ट में एक बार फिर अपनी बल्लेबाजी से इतिहास रच दिया. इस टेस्ट की दूसरी पारी में अर्धशतक जड़कर उन्होंने इंग्लैंड की सरजमीं पर लगातार पांचवीं टेस्ट पारी में 50 या उससे ज्यादा रन बनाने का अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम किया. वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं.

इतना ही नहीं, वह सेना (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) देशों में एक ही टेस्ट मैच में शतक और अर्धशतक लगाने वाले एशिया के इकलौते विकेटकीपर बल्लेबाज हैं. खास बात ये कि उन्होंने ऐसा दूसरी बार किया है. यह उपलब्धि उन्होंने इससे पहले 2022 में बर्मिंघम टेस्ट में भी हासिल की थी. पंत का इंग्लैंड में हालिया प्रदर्शन किसी सपने से कम नहीं है. उनकी पिछले पांच टेस्ट पारियों में 50, 146, 57, 134 और अब अर्धशतक (लीड्स में नाबाद, बल्लेबाजी जारी) बनाया है. यह आंकड़े न केवल उनकी निरंतरता को दर्शाते हैं, बल्कि यह भी दिखाते हैं कि वह विदेशी परिस्थितियों में कितने प्रभावी हैं. लीड्स टेस्ट की पहली पारी में पंत ने 134 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें उन्होंने इंग्लिश गेंदबाजों की जमकर धुनाई की थी. दूसरी पारी में भी उनकी ओर से कुछ ऐसा ही देखने को मिला.

टीम इंडिया की करवाई वापसी ; ऋषभ पंत ने ये पारी एक अहम मौके पर खेली है. इस पारी में जब वह बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे तो टीम इंडिया ने 92 रन पर तीन विकेट गंवा दिये थे. ऐसे में टीम को एक बड़ी पारी की जरूरत थी और पंत ऐसा करने में कामयाब रहे. उन्होंने टीम को संभालने का काम किया और काफी डिफेंसिव बैटिंग की. हालांकि, बाद में उन्होंने तेज गति से भी रन बनाए, जिसके लिए वह जाने जाते हैं.

सौरव गांगुली को रह गया शतकों का अफसोस

नई दिल्ली.

सौरव गांगुली को दुनिया के सबसे सफल कप्तानों में गिना जाता है. गांगुली की कप्तानी में टीम इंडिया ने आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2003 के फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी. हालांकि, फाइनल में टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था. पूर्व भारतीय कप्तान ने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटिंग करियर में कुल 38 शतक बनाए हैं. हालांकि उन्हें इस बात का अफसोस आज भी रहता है कि वो ज्यादा से ज्यादा शतक बना सकते थे लेकिन ऐसा करने में वो असफल रहे. गांगुली ने इसी को लेकर अपना पक्ष रखा है.

सौरव गांगुली के आंकड़े : गांगुली ने टीम इंडिया की ओर से 113 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 42.17 के औसत से 7212 रन बनाए हैं. पूर्व भारतीय कप्तान के नाम 16 शतक हैं और उनका सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर 239 रन का है. वनडे क्रिकेट में उन्होंने 311 मैच में 42.02 के औसत से 11363 रन बनाए हैं. उन्होंने 22 शतक जड़े हैं. दिग्गज खिलाड़ी का इस फॉर्मेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर 183 रन का है. गांगुली के मुताबिक वो अपने क्रिकेटिंग करियर में और भी ज्यादा शतक बना सकते थे.

पीटीआई से बात करते हुए गांगुली ने कहा, 'मैंने कई शतक मिस किये हैं. मैं और भी रन बना सकता था. कई मैच में मैं 80, 90 रन के आसपास आउट हुआ हूं.' सौरव गांगुली लगभग 30 बार 80 या 90 रन के आसपास आउट हुए हैं. वो अपनी इन परियों को भी शतक में बदल देते तो वो 50 से ज्यादा शतक इंटरनेशनल करियर में जुड़ चुके होते.

हालांकि ऐसा करने में पूर्व भारतीय कप्तान असफल रहे. गांगुली ने आगे कहा, 'जब मैं अकेला होता हूं तो अपनी बल्लेबाजी की वीडियो देखता हूं. यूट्यूब पर जब मैं ये देख रहा होता हूं तो यही बोलता हूं अरे, फिर 70 पर आउट हो गया. इस बार तो शतक बना सकता था लेकिन आप उसे बदल नहीं सकते हैं.'

अनिल कुंबले को लेकर भी रखा अपना पक्ष : सौरव गांगुली का मानना है कि उन्हें इस चीज का काफी अफसोस होता है कि ऐसा कई बार हुआ है जब उन्होंने अनिल कुंबले को टीम इंडिया से बाहर कर दिया है. उन्हें अब खुद ये लगता है कि ऐसा करना सही नहीं था. इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद सौरव गांगुली बीसीसीआई के अध्यक्ष के रूप में भी काम कर चुके हैं.

फिल्म ट्रेलर में हानिया आमिर की झलक से भड़के दर्शक

☐ दिलजीत दोसांझ की फिल्म सरदार जी 3 में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के दिखने के बाद बॉयकॉट चल रहा है। इस बीच मूवी के प्रोड्यूसर ने सफाई दी है। उनका कहना है कि फिल्म की शूटिंग भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव होने से पहले ही पूरी हो चुकी थी।

इसे भारत में भी नहीं दिखाया जाएगा। इस बीच ऑल इंडियन सिने वर्कर्स असोसिएशन ने दिलजीत दोसांझ का बॉयकॉट किया है। दिलजीत दोसांझ की मूवी सरदार जी 3 के ट्रेलर में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के दिखने के बाद बवाल हो गया है। लोग फिल्म और दिलजीत दोनों का बॉयकॉट कर रहे हैं। मूवी का ट्रेलर अब इंडिया के लोगों को दिख भी नहीं रहा। लोगों को लग रहा था कि पहलगाम हमले के बाद हानिया आमिर को मूवी में नहीं लिया जाएगा।

वह ट्रेलर में दिखीं तो लोगों का गुस्सा भड़क गया है। सरदार जी 3 के को-प्रोड्यूसर गुनवीर सिंह सिंधू ने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा, 'फिल्म पाकिस्तान से झगड़े के पहले ही शूट हो चुकी थी। भारतीयों के जज्बातों का ध्यान रखते हुए मूवी भारत में रिलीज नहीं की जाएगी।' दूसरी ओर दिलजीत दोसांझ को भी लोग गद्दार बता रहे हैं। सरदार जी 3 में हानिया आमिर के होने पर आपत्ति जताई है। असोसिएशन का कहना है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले में भारत के 26 लोग मर जाने के बाद भी दिलजीत दोसांझ जो कि फिल्म के प्रोड्यूसर हैं, उन्होंने पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर को चुना।

असोसिएशन ने ट्वीट करके जानकारी दी है कि दिलजीत दोसांझ का इंडियन फिल्म इंडस्ट्री से पूरी तरह बॉयकॉट किया जाता है। सभी प्रोड्यूसर्स और प्रोडक्शन हाउसेज से अपील की गई है कि दिलजीत से किसी तरह का मतलब न रखें।

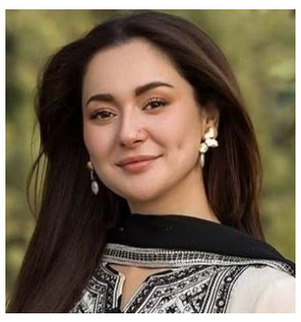

साइबर क्राइम कॉलरट्यून से चिढ़ी लड़की ने किया ट्रोल

> अमिताभ बच्चन के ट्वीट्स ने उड़ाए फॉलोअर्स के होश

☐ अमिताभ बच्चन के सोशल मीडिया पर रीसेंट ट्वीट्स देखकर उनके फॉलोअर्स हैरान हैं। लोगों को लग ही नहीं रहा कि वह रैंडम ट्रोलिंग के जवाब दे रहे हैं। हालांकि पहले भी वह ऐसा करते रहते हैं। इस बार उनसे एक फॉलोअर ने कहा कि फोन के पहले कॉलरट्यून में जो साइबर फ्रॉड से बचने का मैसेज देते हैं उसे बंद कर दें। अमिताभ बच्चन ने उसका जवाब दिया है। एक यूजर ने पूछा कि उनके ट्वीट कौन करता है बिग बी ने इसका जवाब भी दिया है। अमिताभ बच्चन काफी मूड में थे और इसका अंदाजा उनके रीसेंट ट्वीट्स से लगाया सकता है। उन्होंने अभिषेक बच्चन की तारीफ में कुछ पोस्ट किए थे। इसके बाद एक ट्वीट किया, 'जी हां हिजूर, मैं भी एक प्रशंसक हूं तो!!!???' उनके इस ट्वीट में टायपो था जिसे ठीक करके बिग बी लिखते हैं, हुजूर, नॉट हिजूर, सॉरी टायपो। इस ट्वीट पर एक फॉलोअर ने लिखा, 'तो फोन पे बोलना बंद करो भाई।' अमिताभ बच्चन ने इसका जवाब दिया, 'सरकार को बोलो भई, उन्होंने हमसे कहा सो किया।' एक और फॉलोअर ने लिखा, सॉलिड गांजा फूंकते हो सर। अमिताभ बच्चन ने इसका भी जवाब है। वह लिखते हैं, 'एक गांजा फूंके हुए ही ऐसे लिख सकता है जैसे आपने लिखा है।' बिग बी की बातचीत उनके फॉलोअर्स से यहीं खत्म नहीं हुई। एक ने उनसे पूछा, 'सर ये पोस्ट आप खुद करते हो या कोई असिस्टेंट है आपका?' इस पर वह बोले, 'मैं खुद करता हूं। अभी समय हुआ है, 23 जून 12 बजकर 5 मिनट।' ऐसे कुछ और भी ट्वीट्स हैं जिन्हें देखकर लोगों को यकीन नहीं हो रहा कि ट्वीट्स अमिताभ बच्चन ने किए हैं।

टॉमी जेनेसिस पर भड़के रैपर बादशाह ?

☐ रैपर टॉमी जेनेसिस के कॉन्ट्रोवर्शियल वीडियो टू ब्लू पर अब रैपर रफ्तार ने गुस्सा निकाला है। इस वीडियो में कनाडा की रैपर टॉमी ने हिंदू देवी की तरह मेकअप किया है। साथ में क्रॉस लिए हैं और कुछ आपत्तिजनक स्टेप्स करती दिख रही हैं। टॉमी क्रॉस को अपने प्राइवेट पार्ट्स पर भी रखती हैं। रैपर ने इंस्टाग्राम पर अपने फॉलोअर्स से अपील की है कि वे लोग इस वीडियो को ज्यादा से ज्यादा रिपोर्ट करें। टॉमी जेनेसिस के एक वीडियो पर काफी बवाल मचा हुआ है। इसमें वह भारतीय देवी जिसे लोग काली का रूप मान रहे हैं, के गेटअप में हैं और आपत्तिजनक एक्ट कर रही हैं। लोगों का कहना है कि टॉमी ने हिंदू देवी और क्रिश्चन धर्म दोनों का अपमान किया है। हैरानी वाली बात ये है कि टॉमी का कनेक्शन भारत से है और उनके पिता क्रिश्चन हैं। टॉमी के इस वीडियो का यूट्यूब लिंक रैपर रफ्तार ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट किया है। साथ में लिखा है, यह मेरे धर्म का मजाक है। रफ्तार ने लोगों से अपील की है कि इस वीडियो को रिपोर्ट करें। टॉमी जेनेसिस का ओरिजिनल नाम जेनेसिस यास्मिन मोहनराज है। उनका जन्म कनाडा के शहर वैंकूवर में हुआ था। टॉमी कनेडियन रैपर और मॉडल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यास्मिन के पिता मोहनराज तमिल मलयाली क्रिश्चन थे। वह बाद में कनाडा चले गए। टॉमी जेनेसिस के इस वीडियो का भारत में काफी विरोध हो रहा है। वीडियो में टॉमी ने बॉडी को ब्लू पेंट कर रखा है। इस पर गोल्डन बिकीनी है गोल्ड जूलरी है। हाथ में गोल्डन क्रॉस पकड़ा है जिसे कभी लिक करती हैं तो कभी प्राइवेट पार्ट पर रखती हैं। यूट्यूब पर टॉमी जेनेसेसिस के इस वीडियो पर काफी सारे कॉमेंट्स दिख रहे हैं। एक ने पूछा है, इस गाने का क्या मतलब है, क्या सिर्फ हिंदू और क्रिश्चन धर्म का मजाक उड़ाना?

मेकर्स ने गंभीरता से लिये दर्शकों के फीडबैक

☐ नेटफ्लिक्स की चर्चित क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'राणा नायडू' का दूसरा सीजन रिलीज हो गया है। इस बार मेकर्स ने दर्शकों के फीडबैक को गंभीरता से लेते हुए गालियों की मात्रा घटाई है, लेकिन एक्शन और ड्रामे का लेवल पहले से कहीं ऊपर कर दिया है। आइए जानते हैं, क्या यह नया सीजन पहले से बेहतर है या सिर्फ नाम का शोर है। राणा नायडू (राणा दग्गुबाती) का बेटा किडनैप हो जाता है, और राणा फिर से उसी अंधेरे और खतरनाक दुनिया में लौट आता है, जिससे वो दूर जाना चाहता था। इस बार कहानी में नए विलेन रऊफ मिर्जा (अर्जुन रामपाल) की एंट्री हुई है, जो राणा से भी खतरनाक है और राणा से पुराना बदला लेना चाहता है।

सीरीज की कहानी गोवा से निकलकर मुंबई के अंडरवर्ल्ड, क्रिकेट, फिल्म इंडस्ट्री और राजनीति की गलियों तक जाती है। राणा दग्गुबाती ने फिर से साबित कर दिया कि यह किरदार उनके लिए ही बना है। उनके एक्सप्रेशन्स और इमोशन्स काफी दमदार लगे हैं। वेंकटेश दग्गुबाती इस बार थोड़ा कम नजर आए, लेकिन जब भी आए, छा गए। अर्जुन रामपाल ने जबरदस्त विलेन का रोल निभाया है। वह हीरो जितने ही खतरनाक, स्टाइलिश और डरावने लगे। सुरवीन चावला, कृति खरबंदा, सुशांत सिंह और अभिषेक बनर्जी भी अपने-अपने रोल में फिट बैठे हैं। इस बार गालियों और ओवर वल्गैरिटी को कंट्रोल किया गया है, जिससे फैमिली ऑडियंस भी इसे देख सकती है। डायरेक्शन बेहतर है और सिनेमैटोग्राफी भी काफी बढ़िया है। हालांकि, मुंबई की पहचान थोड़ी धुंधली-सी लगती है। एडिटिंग फास्ट है और सीरीज में बोरियत महसूस नहीं होती। कुछ कैरेक्टर जैसे राजेश जायस और तनुज विरवानी के रोल अधूरे से लगते हैं। बाद के कुछ एपिसोड्स में कहानी थोड़ी-बहुत भटकती है। सीरीज में सस्पेंस की भी कमी महसूस होती है। फैमिली ड्रामा और एक्शन के बीच संतुलन कभी-कभी बिगड़ता है।

हनुमान बनने की तैयारी शुरू करेंगे सनी देओल

☐ सनी देओल के लिए माहौल सेट है. उनकी पिछली फिल्म 'जाट' थी, जिसे काफी प्यार मिला था. पर कमाई के मामले में पीछे रह गई. इस वक्त वो 'बॉर्डर 2' की शूटिंग में बिजी हैं, जो अगले साल रिलीज की जाएगी. कई बड़ी फिल्मों में वो दिखाई देंगे, लेकिन सबसे ज्यादा फैन्स 'रामायण' को लेकर एक्साइटेड हैं. रणबीर कपूर की फिल्म में वो हनुमान का रोल करने वाले हैं. इसी बीच एक्टर ने शूटिंग को लेकर बड़ा अपडेट दे दिया है. कब शूटिंग शुरू होगी? जानिए. हाल ही में सनी देओल ने 'बॉर्डर 2' का तीसरा शेड्यूल शुरू किया है. पुणे के एनडीए में सनी देओल के साथ उनके तीनों फौजी मौजूद हैं. उसमें वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी शामिल हैं. इसके बाद ही वो दूसरी फिल्मों की तरफ बढ़ेंगे. इसी बीच सनी देओल ने बताया कि वो हनुमान का रोल कर रहे हैं, जिसके लिए काफी एक्साइटेड हैं. हाल ही में सनी देओल ने जूम से बातचीत करते हुए हनुमान बनने की बात को कंफर्म किया. यूं तो रणबीर कपूर की 'रामायण' में अपने किरदार को लेकर पहले भी बात कर चुके हैं. अब उन्होंने कहा कि- वो फिल्म में हनुमान का रोल कर रहे हैं. जिसके लिए काफी एक्साइटेड हैं. जल्द ही वो फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे. यानी उम्मीद है कि 'बॉर्डर 2' के तीसरे शेड्यूल के बाद इसी फिल्म का नंबर आएगा. इस दौरान उन्होंने फिल्म की कास्ट की भी तारीफ की है. सनी देओल ने यह भी कहा कि यह जबरदस्त और खूबसूरत होगी. साथ ही बताया कि वो इसके बाद जाकर देखेंगे भी कि उन्होंने क्या कुछ किया है. हालांकि, वो इस किरदार को निभाने के लिए जितना एक्साइटेड हैं. उतना ही नर्वस भी महसूस कर रहे हैं, लेकिन यह ही इसकी खूबसूरती है. सनी बोले कि- यह बहुत ही खास मौका है.

सनी देओल ने रणबीर कपूर को लेकर कहा कि उनके साथ काम करना अच्छा होगा, क्योंकि वो शानदार एक्टर हैं. जिस भी प्रोजेक्ट में वो काम करते हैं, तो अपना 100 परसेंट देते हैं. दरअसल रणबीर कपूर की रामायण को नीतेश तिवारी डायरेक्ट कर रहे हैं. वहीं, यश और नमित मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं. जहां पहला पार्ट दिवाली 2026 में रिलीज होगा. वहीं पार्ट 2 का साल 2027 तक इंतजार करना होगा. फिल्म में रणबीर कपूर राम, साई पल्लवी माता सीता और रावण के रोल में यश दिखने वाले हैं.

50 करोड़ क्लब में एंट्री के साथ चमका 'कुबेरा'

☐ नेशनल अवॉर्ड विजेता कॉलीवुड स्टार धनुष, टॉलीवुड स्टार नागार्जुन और यंग एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना की हाल ही में रिलीज हुई सामाजिक-राजनीतिक थ्रिलर फिल्म 'कुबेरा' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है और इसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉस मिला है। बता दें कि फिल्म ने अब तक ने अब तक 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है और दुनिया भर के सिनेमाघरों में इसकी कमाई का सिलसिला अभी भी जारी है। फिल्म की सक्सेस पार्टी में मेगास्टार का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वो धनुष की तारीफ करते नजर आ रहे है। बता दें कि फिल्म कुबेरा की सफलता का जश्न रविवार शाम को एक भव्य कार्यक्रम के रुप में मनाया गया है, जिसमें मेगास्टार चिरंजीवी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसके साथ ही फैंस और मीडिया को संबोधित करते हुए चिरंजीवी ने कहा कि डायरेक्टर शेखर कम्मुला का नागार्जुन को दीपक के किरदार के लिए चुनना और नागार्जुन का इस रोल को स्वीकार करना, ये फिल्म की पहली सफलता थी। मेगास्टार चिरंजीवी ने एक सीन का ज़िक्र करते हुए कहा कि वो उसमें धनुष को भिखारी के किरदार में पहचान ही नहीं पाए और उन्होंने आगे कहा- शेखर कम्मुला की फिल्मों में हमेशा सच्चाई झलकती है। उन्होंने भले ही 25 सालों में केवल 10 फिल्में बनाई हों, लेकिन हर फिल्म ने दर्शकों के दिल को छुआ है, शेखर कम्मुला की सिनेमा की सफर पर हमे गर्व है।

शक्तिमान फिल्म को लेकर टूटा सस्पेंस

☐ 90 के दशक में 'शक्तिमान' टीवी सीरियल किसको पता है नहीं होगा, क्योंकी इसको देखने के लिए, बच्चे अपने सारे काम करके टीवी के सामने नजरें टीका के बैठ जाते थे। एक्टर मुकेश खन्ना ने 'शक्तिमान' में अपनी एक्टिंग से हर घर में बच्चों के दिलों पर राज करने वाले वेटरन एक्टर मुकेश खन्ना ने 'शक्तिमान' बनकर खूब सुर्खियां बटोरी थीं और उस समय यह शो सबसे पसंदीदा कार्यक्रमों में से एक था। मुकेश खन्ना ने सालों तक 'शक्तिमान' और 'गंगाधर' जैसे किरदारों से लोगों को खूब हंसाया और मनोरंजन किया। अब इस पॉपुलर किरदार पर एक फिल्म बनने जा रही है। मेकर्स ने यह साफ कर दिया है कि फिल्म में 'शक्तिमान'का रोल कौन निभाएगा। बता दें कि इस फिल्म में रणवीर सिंह की जगह अब अल्लू अर्जुन को 'शक्तिमान' का रोल दिया है। इस न्यूज से 'पुष्पा' स्टार के फैंस काफी खुश थे। लेकिन अब मेकर्स ने ये कन्फर्म कर दिया है कि ये सिर्फ अफवाह थी ऐसा कुछ भी नही है। खबरों के मुताबिक इस फिल्म को 'मिन्नल मुरली' के डायरेक्टर और मलयालम फिल्मों के एक्टर बेसिल जोसेफ बनाएंगे और फिल्म में 'शक्तिमान' का अहम भूमिका रणवीर सिंह ही निभाएंगे। फिल्म से जुड़े खबरों को लेकर एक्टर बेसिल जोसेफ ने बताया है कि 'शक्तिमान का रोल कोई और नहीं कर रहा है। ये रणवीर सिंह ही करेंगे और कोई नहीं। जो भी उनके रिप्लेसमेंट की अफवाह फैला रहा है, वो सब अफवाह है।

जलकर राख हुआ फिल्म सिटी में 'अनुपमा' शो का सेट

☐ सोमवार सुबह मुंबई के गोरेगांव स्थित फिल्म सिटी में उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब मशहूर टीवी शो 'अनुपमा' के सेट पर अचानक आग लग गई। यह घटना सुबह करीब 6 बजे हुई। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों ने सेट से धुआं उठता देखा और तुरंत फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी. मौके पर मुंबई फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां तुरंत पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी को कोई चोट नहीं लगी। सेट पर मौजूद सभी कलाकारों और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।फायर ब्रिगेड की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने की वजह का खुलासा अभी नहीं हो पाया है, लेकिन बिजली के शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। बता दें कि 'अनुपमा' के फिल्म सिटी में दो अलग-अलग सेट हैं, एक फिल्म सिटी ऑफिस के पास और दूसरा सलमान खान के 'बिग बॉस' सेट के सामने। यह आग उस सेट पर लगी है जो ऑफिस के पास बना हुआ है। वहीं इसके नजदीक ही अमर उपाध्याय के शो 'डोरी' का सेट भी है, लेकिन उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। यह पहली बार नहीं है जब किसी सेट या फिल्म सिटी में आग लगी हो। 10 मार्च 2023 को भी स्टार प्लस के एक और लोकप्रिय सीरियल 'गुम है किसी के प्यार में' के सेट पर आग लग गई थी, जिसमें पूरा सेट जलकर राख हो गया था। स्टार प्लस का टीवी शो 'अनुपमा' भारत के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले शोज में से एक है। इस शो में रुपाली गांगुली मुख्य किरदार अनुपमा का रोल निभा रही हैं, जो दर्शकों को बहुत पसंद आ रहा है। टीआरपी चार्ट में 'अनुपमा' अक्सर पहले नंबर पर बना रहता है। यह सीरियल करीब 5 साल पहले शुरू हुआ था और तब से लेकर अब तक राजन शाही का यह शो हमेशा टॉप 5 में बना रहा है। मजबूत कहानी और दर्शकों की दिलचस्पी की वजह से 'अनुपमा' ने टीवी की दुनिया में अपनी एक खास पहचान बना ली है।

वन नाइट स्टैंड करना एक्ट्रेस को पड़ा भारी

☐ बॉलीवुड अभिनेत्री कुब्रा सैत को सैक्रेड गेम्स सीरीज में देखा जा चुका है और आपको बता दें कि हाल ही में उन्होंने अपने अबॉर्शन को लेकर बात की है। उनकी उम्र 41 साल की है और आपको बता दें कि वह एक वन नाइट स्टैंड के बाद में प्रेग्नेंट हो गई थी। इस बात का एक्ट्रेस ने खुद ही खुलासा किया। कुब्रा सैत ने यह भी बताया कि इसके बाद में अबॉर्शन कराना उनकी खुद की मर्जी थी और वह बच्चा चाहती ही नहीं थी। उन्हें डर लग रहा था और इसके बावजूद भी उन्होंने इस प्रोसीजर को अकेले करवाया और इस बारे में किसी को भी नहीं बताया। बॉलीवुड बबल के साथ में कुब्रा सैत ने बात करते हुए बताया कि "मैं जब अबॉर्शन के वक्त से गुजरी थी तो मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं बिल्कुल भी स्ट्रांग महसूस कर रही थी। मैं उसको आगे ले जाने में बहुत ज्यादा कमजोरी महसूस कर रही थी। मेरे अंदर इतनी हिम्मत नहीं थी और ना ही इतना जज्बा था कि मैं कह सकूं कि अगर यह हम नहीं करते हैं तो भी जी लेंगे।" अभिनेत्री ने आगे बात करते हुए कहा कि "मुझे तब ऐसा महसूस होने लगा था जैसे मुझ में ताकत ही नहीं बची है। मैं बहुत अंदर से खालीपन महसूस कर रही थी और मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं इसके बिल्कुल लायक ही नहीं हूं। हां लेकिन उसके लंबे वक्त बाद जो मुझे महसूस हुआ वह असली हिम्मत थी।" कुब्रा सैत ने बताया कि "मैं खुद को इस काबिल बना पाई हूं कि अपने लिए एक फैसला ले पाऊं। जो मैंने किया है वह पूरी तरीके से सही था और मैंने खुद का ही साथ दिया है। अपने फैसले की मुझे इज्जत भी है। मैं स्टीरियोटाइप पैटर्न को तोड़ने में कामयाब हुई और उस सामाजिक बंधन से भी निकलने में सफल रही।" एक्ट्रेस ने इस पर आगे बात करते हुए कहा कि "अबॉर्शन के लिए मैं खुद ही गई थी वो भी अकेले। कोई भी मेरे साथ में नहीं गया था और इस पूरे प्रोसीजर से मैंने अकेले ही सामना किया।" कुब्रा सैत के करियर की बात करें तो उनको जवानी जानेमन और सैक्रेड गेम्स जैसी फिल्मों में देखा जा चुका है और अभी वह सिंगल है।

सोनाक्षी को कास्ट करने पर कुश सिन्हा की टूटी चुप्पी

☐ फिल्ममेकर कुश सिन्हा ने अपनी पहली फिल्म 'निकिता रॉय' में बहन सोनाक्षी सिन्हा को लीड रोल देने की वजह को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि भले ही कुछ लोगों को ये फैसला पर्सनल लग सकता है, लेकिन उन्होंने सोनाक्षी को उनकी टैलेंट और एक्टिंग स्किल्स की वजह से चुना है। कुश ने कहा, "मेरे लिए सोनाक्षी इस किरदार के लिए एकदम परफेक्ट हैं। मुझे पता था कि वो काफी एक्सपीरियंस्ड और बेहद काबिल एक्ट्रेस हैं।'

उन्होंने अकीरा, लुटेरा और दबंग जैसी फिल्मों में आप देख सकते हैं कि वो कितनी शिद्दत के साथ एक्टिंग करती हैं। ये कास्टिंग भाई-बहन के रिश्ते की वजह से नहीं, बल्कि सोनाक्षी की काबिलियत की वजह से की गई है।" जब उनसे पूछा गया कि उन्हें "निकिता रॉय" जैसी फिल्म निर्देशित करने के लिए किस बात ने प्रेरित किया, तो कुश सिन्हा ने कहा, "ईमानदारी से कहूं तो यह कहानी की ताकत थी जिसने मुझे आकर्षित किया। निकिता रॉय में हमने जो दुनिया तलाशी है, वह कुछ नया पेश करती है – कुछ ऐसा जो दर्शकों को दिलचस्प और नया लगेगा। साथ ही, निकिता रॉय, जॉली, अमरदेव और फ्रेया के किरदार वे सभी अच्छी तरह से विकसित और स्तरित हैं। जब आपके किरदार मजबूत होते हैं, तो आपकी कहानी शक्तिशाली बनने की क्षमता रखती है। कहानियां किरदारों के माध्यम से बनती हैं, और यही बात मेरे लिए इसे रोमांचक बनाती है।" निर्देशक ने बताया- "हमारे पास पवन कृपलानी की लिखी हुई एक बहुत अच्छी स्क्रिप्ट थी। लेकिन उसे और बेहतर बनाना, उसकी गहराई को समझकर उसमें बदलाव करना ही सबसे मुश्किल काम था। एक अच्छी स्क्रिप्ट को और बेहतर बनाना आसान नहीं होता। लेकिन यही फिल्म बनाने की असली प्रक्रिया है: रचनात्मक चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़ना।" बता दें 'निकिता रॉय' में सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में हैं और उनके साथ फिल्म में परेश रावल, अर्जुन रामपाल और सुहैल नय्यर भी नजर आएंगे। यह फिल्म 27 जून 2025 को रिलीज़ होगी।